भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय द्वारा पंजीकृत संख्या UTTHIN/2015/66525

E-mail: amarujiyara@gmail.com

अमर उजियारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–7 अंक–11 सोमवार, 5 जुलाई 2021 हल्द्वानी (नैनीताल) मूल्य 5/– रुपया पृष्ठ 8

पुष्कर सिंह धामी बने उत्तराखंड के 11 वें मुख्यमंत्री

राज्यपाल ने दिलाई सीएम व मंत्रीमंडल को पद एवं गोपनीयता की शपथ शपथ

देहरादून। खटीमा विधायक पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बन गए हैं। रविवार को राजभवन परिसर मे आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्यपाल श्रीमती बेबीरानी मौर्य ने मंत्रियों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में राज्यपाल ने श्री सतपाल महाराज, डॉ हरक सिंह रावत, श्री बंशीधर भगत, श्री यशपाल आर्य, श्री बिशन सिंह चुफाल, श्री सुबोध उनियाल, श्री अरविंद पाडेय, श्री गणेश जोशी, श्री धन सिंह रावत, श्रीमती रेखा आर्य, और स्वामी यतीश्वरानंद को मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर बनाए रखने के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार काम करेगी। अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव श्री ओमप्रकाश ने किया। इस अवसर पर विधायकगण, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

प्राचार्य के नोटिस से हड़ताल पर गए इंटर्न डाक्टरों में आक्रोश

देहरादून। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को हड़ताल पर गए इंटर्न डाक्टरों को प्राचार्य द्वारा नोटिस पर उनमें जबरदस्त गुस्सा है। उनका कहना है कि वह अपनी जायज मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। प्रबंधन उनके आंदोलन को दबाना चाहता है। जो कतई बर्दाश्त नहीं होगा। वह शांतिपूर्ण तरीके से मांग पूरी होने तक आंदोलन करते रहेंगे। उधर, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में भी छात्रों ने रविवार को हड़ताल शुरू कर दी है। रविवार को दून मेडिकल कॉलेज में इंटर्न डाक्टर्स ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर परिसर में धरना देकर प्रदर्शन किया। कहा कि सभी इंटर्न डाक्टर हड़ताल में शामिल है। एचओडी पर प्रबंधन द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। एचओडी उन्हें आंदोलन न करने का दबाव बना रहे हैं। इंटर्न डाक्टर देश में सबसे कम स्टाइपेंड 7500 रुपये प्रतिमाह को 23500 रुपये किये जाने की मांग को लेकर आंदोलित है।....नये सीएम से जल्द मुलाकात करेंगे: इंटर्न डाक्टरों का कहना है कि नये सीएम पुष्कर धामी से उन्हें काफी उम्मीदें है। सीएम से मिलने का समय मांगा जाएगा। जल्द ही उनसे मुलाकात कर अपनी पीड़ा बताई जाएगी। उधर, प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना का कहना है कि इंटर्न डाक्टरों पर दबाव जैसा कुछ नहीं डाला जा रहा है। उन्हें उनके फायदे को कहा गया है कि वह इंटर्नशिप पर ध्यान दें। इंटर्नशिप पूरी नहीं होने तक उनकी डिग्री भी नहीं मिलेगी। रही बात स्टाइपेंड की वह फाइल शासन स्तर पर चल ही रही है।.....कई इंटर्न ड्यूटी पर भी पहुंचे : प्राचार्य के नोटिस के बाद कई इंटर्न ने अपने विभागों में ज्वाइनिंग भी दी है। कहा जा रहा है कि कई इंटर्न फोटो खिंचवाने से भी डर रहे हैं। कही उनके नाम से नोटिस प्रबंधन न भेज दे। प्राचार्य का कहना है कि सभी इंटर्न हड़ताल में शामिल नहीं है। कई विभागों में इंटर्न ड्यूटी दे रहे हैं।

पूर्व सीएम हरीश रावत ने दी नये सीएम धामी को ये सलाह जाने

.देहरादून। पूर्व सीएम हरीश रावत ने लिखा है कि उत्तराखंड के नये मुख्यमंत्री जी को मैं कल ही बधाई दे चुका हूँ। आज उन्हें एक सलाह देना चाहता हूँ, उनके पास और उनकी पार्टी के पास यह अंतिम अवसर है कि वो 2017 के अपने चुनावी घोषणा पत्र को खोलें। क्योंकि मुझे नहीं लगता है कि पहले के दोनों माननीय मुख्यमंत्री, चुनावी घोषणा पत्र को खोल पाए! यदि पुष्कर धामी जी चुनावी घोषणा पत्र को खोल लेते हैं तो उन्हें एक अच्छा विद्यार्थी माना जाएगा। जिस राज्य में बेरोजगारी की वृद्धि दर 23.30 प्रतिशत पहुंच गई हो, कोरोना की दूसरी लहर में हॉस्पिटलों ने किस तरीके से अंडररिपोर्टिंग की है उसकी कहानियां छप रही हों, जहां कुंभ के दौरान कोरोना टेस्टिंग का एक सर्वनाम घोटाला हो गया हो, विकास कार्य ठप पड़े हुये हों, अपराधों की वृद्धि दर सर्वाधिक हो, उस राज्य के नवागंतुक मुख्यमंत्री जी के लिए बहुत सारी चुनौतियां हैं। मगर एक सलाह और भी मैं उनको देना चाहूंगा कि वो इस मामले में अपने प्रदेश अध्यक्ष के झूठ को उत्तराखंड के नौजवानों के सामने न परोसें, उन्होंने एक झूठ परोसा है कि 7 लाख लोगों को नौकरियां दी हैं। मैं समझता हूँ कि इतना लंबा झूठ बोलने का रिकॉर्ड और किसी के नाम पर नहीं होगा। यह संख्या केवल कुछ दर्जनों तक सीमित है। मेरे 3 साल के कार्यकाल में 32 हजार लोग राजकीय सेवाओं में किसी न किसी रूप में कार्यरत हुये। आज यह संख्या भाजपा के राज में 320 तक भी नहीं पहुंच पाई है, 2 शून्य (00) गायब हो गए हैं, नौजवान छटपटा

रहा है। हमारे समय में जो अधियाचन हुए थे, वो अधियाचन सब रोक दिए गए हैं, जो परीक्षाएं हुई हैं उन परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित नहीं हो रहे हैं, कुछ जगह यदि परीक्षाएं हुई हैं और रिजल्ट निकले हैं तो पोस्टें सीजड कर दी गई हैं अर्थात कम कर दी गई हैं, जैसे विद्युत विभाग में। यदि श्री पुष्कर धामी जी इन असंगतियों को भी ठीक कर दें, क्योंकि उनसे अब बड़ी उम्मीद करना उनके ऊपर ज्यादती होगी। क्योंकि भाजपा का रिकॉर्ड रोजगार देने का है ही नहीं। फिर भाजपा के ही कुछ साथी उनको नाइट वॉचमैन बताते नहीं थक रहे हैं। मैं कल से उत्तराखंड में कुछ सुगबुगाहटें सुन रहा हूँ। मेरी चिंता यह नहीं है कि भाजपा के अंदर क्या होता है, उनका नाइटवॉचमैन बिना रन बनाए आउट होता है या कुछ देर टुक-टुक करता है। बल्कि मेरी चिंता यह है कि उत्तराखंड को किस बात का दंड दे रही है! अपार बहुमत देने का? मैं, पुष्कर सिंह धामी जी से कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री होता है, वो कितनी ही अवधि का मुख्यमंत्री हो। यदि उसमें निर्णय लेने की संकल्प शक्ति है तो निर्णय लिए जाते हैं। मैंने सर्वाधिक निर्णय उस दौर में लिए जब मेरी सरकार पर केंद्र सरकार ने राजनैतिक अस्थिरता थोप दी थी। एक तरफ न्यायालय में मुकदमे लड़ रहे थे और दूसरी तरफ जनता के हित के लिए जिस दिन भी वक्त मिल रहा था, उस उस दिन फैसला कर रहे थे। जिस दिन मैं 1 दिन के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुआ, मैंने एक दर्जन जन कल्याणकारी निर्णय लिए और उनको लागू करवाया। इसलिए भाजपा में तो किसी मुख्यमंत्री का ऐसा रिकॉर्ड नहीं है, वो हमारा रिकॉर्ड खंगाल लें और उस रिकॉर्ड में उनको बहुत सारे उदाहरण मिल जाएंगे कि निर्णय कैसे लिए जाते हैं। मेरा किसी भी भाजपाई के साथ कोई सॉफ्ट कॉर्नर नहीं रहता है, लेकिन नौजवान के साथ जरूर सॉफ्ट कॉर्नर है, एक नौजवान को मौका मिला है तो मैं चाहता हूँ कि वो नौजवान थोड़ा सा ही सही, कुछ तो चमक दिखाएं और यदि कुछ भी चमक नहीं दिखा पाया तो हजारों-हजार उत्तराखंड के नौजवानों को घोर निराशा होगी।

सम्पादकीय

प्रकृति के प्रतिकूल

पिछले करीब सात महीने से दिल्ली की सीमाओं पर जमे किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़ दें तो इस आंदोलन की प्रकृति आमतौर पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप रही है। शायद यही वजह है कि इतने लंबे समय से आंदोलनकारी मोर्चे पर हैं और सरकार उनकी मांगों को नहीं मानने के बावजूद उन्हें दिल्ली की सीमाओं पर से हटा पाने में सफल नहीं हो सकी है। लेकिन बुधवार को गाजीपुर बॉर्डर पर आंदोलन स्थल के पास किसानों और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जैसी झड़प हुई, वह इसलिए चिंता का विषय है कि यह न केवल एक लोकतांत्रिक आंदोलन की प्रकृति के प्रतिकूल है, बल्कि अगर ऐसे टकराव से बचा नहीं गया तो इसका नुकसान बहुस्तरीय हो सकता है। खबरों के मुताबिक बुधवार को वहां से भाजपा के एक नेता का काफिला गुजर रहा था, जिसमें शामिल लोगों और किसानों के बीच नेता का स्वागत करने के मसले पर टकराव शुरू हो गया।हैरानी की बात यह है कि धरना स्थल के आसपास पुलिस थी, लेकिन उसने समय पर हंगामा कर रहे लोगों को नहीं रोका। आरोपों के मुताबिक बात आगे बढ़ गई तो जुलूस में शामिल लोगों और किसानों के बीच झड़प और मारपीट शुरू हो गई। उसे शुरू में ही रोकने के बजाय बाद में पुलिस ने दखल दिया। सवाल है कि क्या वहां तैनात पुलिसकर्मियों और उनके अधिकारियों को दो विरोधी पक्षों के आमने-सामने होने से पैदा होने वाले हालात का अंदाजा नहीं था? जो पुलिस हजारों लोगों के जमावड़े और गतिविधि को नियंत्रित कर सकने की क्षमता रखने का दावा करती है, उसे हंगामा करने वालों को समय पर रोकना जरूरी क्यों नहीं लगा? अब हालत यह है कि उसी घटना के संदर्भ में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर भारतीय किसान यूनियन के करीब दो सौ कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया है। दूसरी ओर, किसानों की ओर से भी मामला दर्ज कराने की बात कही गई है। आंदोलन से जुड़े नेताओं का सीधा आरोप है कि भाजपा ने सात महीने से शांतिपूर्ण तरीके से चल रहे उनके आंदोलन को बाधित करने के मकसद से सुनियोजित साजिश के तहत हंगामा करने की कोशिश की है।करीब पांच महीने पहले भी गाजीपुर बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन के मंच पर हंगामा करने की कोशिश की गई थी। तब पुलिस के हस्तक्षेप के बाद आंदोलन के खत्म होने तक की बात कही गई, लेकिन ग्रामीण इलाकों से किसान फिर से वहां पहुंच गए। दूसरी सीमाओं पर भी छोटे-मोटे हंगामे हुए, लेकिन आंदोलन आमतौर पर शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहा। किसानों की मांग पर न सरकार का कोई सकारात्मक रवैया सामने आ रहा है, न किसान पीछे हटने को तैयार हैं। हालांकि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच ग्यारह दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अब वह भी बंद है। इसके बावजूद किसान जिस तेवर के साथ आंदोलन स्थलों पर टिके हुए हैं, वह सरकार के लिए परेशानी का कारण है। इससे किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं की हमति-असहमति हो सकती है, लेकिन उसकी वजह से किसी को हिंसा के लिए उकसाना किस तरह की रणनीति है? हमारा लोकतंत्र किसी को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का हक देता है। अगर कोई पक्ष उससे सहमति नहीं रखता है तो वह बातचीत का रास्ता अपना सकता है। जरूरी यह भी है कि हंगामे या हिंसा का अंदाजा होने के बावजूद जो पुलिस मूकदर्शक रहती है, अगर वह समय पर सक्रिय हो और नाहक अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करे तो हालात को बिगड़ने से पहले संभाला जा सकता है।

दिल्ली और दिल की दूरी का सिमटना सुखद

विश्वनाथ सचदेव

श्दिल्ली दूर अस्त, यह एक मुहावरा है जो बचपन में सीखा था। बताया गया था कि इसका मतलब होता है, लक्ष्य अभी दूर है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री ने कश्मीर के कुछ राजनेताओं के साथ हुई बैठक में दिल्ली और दिल की दूरी कम करने वाली बात कही तो अनायास यह मुहावरा याद आ गया था। यह बैठक स्र्फि इसलिए महत्वपूर्ण नहीं थी कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के नेता केंद्रीय नेतृत्व के साथ मिलकर बैठे थे, महत्वपूर्ण यह इसलिए भी थी कि इससे कुछ सकारात्मक संदेश मिले थे। हालांकि जम्मू-कश्मीर के नेता अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करने की अपनी मांग छोडने के लिए तैयार नहीं थे, पर अच्छी बात यह थी कि बर्फ कुछ पिघलती दिख रही थी।

यह तो आने वाला समय ही बतायेगा कि इस बर्फ पिघलने के परिणाम क्या होंगे, पर कुल मिलाकर इतना तो कहा ही जा सकता है कि देर आयद, दुरुस्त आयद! यह बैठक कफी पहले हो जानी चाहिए थी। दिल्ली और दिल की दूरी कम करने की जो बात प्रधानमंत्री ने कही, वस्तुतरू वह एक लगातार कोशिश होनी चाहिए।

यह बात स्र्फि कश्मीर के लिए ही लागू नहीं होती। यहां दिल्ली स्र्फि देश की राजधानी ही नहीं है, इसे एक प्रतीक के रूप में समझा जाना चाहिए। दिल्ली सत्ता का प्रतीक है और जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता और जनता के बीच दूरी जैसी कोई बात होनी नहीं चाहिए। जनतंत्र में सत्ता जनता की सेवा के लिए होती है, और दूर बैठकर तो सेवा नहीं हो सकती। यहां दूर बैठना भी एक प्रतीक ही है, जिसका मतलब यह है कि सत्ता सार्थक तभी होगी, जब वह अपने अस्तित्व को जनता के हित से जोड़ कर देखे।दिल्ली और दिल की दूरी कम करने वाली बात स्र्फि अखबारों की बढिया सुर्खी बनकर नहीं रह जानी चाहिए। हालांकि, राजनेता ऐसी बातें करने में माहिर होते हैं। वे जानते हैं कि बात को किस तरह कह कर बात बनायी जा सकती है। पर बात केवल अखबारों की सुर्खी तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। दिल्ली से दूरी को सत्ता और जनता के बीच की दूरी के संदर्भ में समझा जाना चाहिए और ईमानदार कोशिश होनी चाहिए कि यह दूरी न हो, और यदि है तो कम हो!

भौगोलिक नहीं है यह दूरी। बात मात्र दिलों वाली भी नहीं है। इस दूरी का रिश्ता जनता की भावनाओं की समझ से है। जनतंत्र में शासक जनता की वोटों से चुनकर आता है। जनता का समर्थन पाने के लिए वह कुछ वादे और दावे करता है। जनता और श्दिल्लीश्र के बीच दूरी तब बनती है जब सत्ता अपने वादे को भूलने लगती है। जब दावों का खोखलापन सामने आने लगता है तो जनता स्र्फि परेशान ही नहीं होती, हताश भी हो जाती है। यह दूरी कैसे दूर हो? इस छोटे-से सवाल का जवाब यही है कि सत्ता को अपना आसन इतना ऊंचा न लगे कि वह जनता के दर्द को देख ही न पाये। समझ ही न पाये उसकी व्यथा को। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एक कविता इस बात को बड़ी अच्छी तरह कहती है। उसकी कुछ पंद्रियां हैं, श्धारती को बौनों की नहींध ऊंचे कद के इंसानों की जरूरत हैध इतने ऊंचे कि आसमान को छू लेंध किंतु इतने ऊंचे भी नहींध कि पांव तले दूब ही न जमे...ध मेरे प्रभुध मुझे इतनी ऊंचाई कभी मत देनाध गैरों को गले न लगा सकूंध इतनी रुखाई मत देनाश्र यह ऊंचाई श्दिल्लीश्र को दिलों से दूर करती है। जरूरत इस ऊंचाई को समझने और उसे कम करने की है।

सवाल गैरों को गले लगाने का ही नहीं है, अपनों को अपना समझने का भी है। और यदि बात सत्ता और जनता की हो रही है तो फिर अपनों-गैरों की कहां बचती है। सत्ता के लिए सब अपने होने चाहिए। उसका रिश्ता पूरी प्रजा के सुख-दुख से होता है। कोई श्दिल्लीश्र यदि किसी एक नागरिक की भी उपेक्षा करती है तो वह अपने कर्तव्य-पालन से चूक जाती है! उपेक्षा जानबूझकर भी होती है, और अनजाने में भी। जानबूझकर की गयी उपेक्षा कहीं बड़ा अपराधा है। कोई श्दिल्लीश्र अर्थात सत्ता यह मानकर काम नहीं कर सकती कि किस नागरिक ने उसकी जय का नारा जोर से लगाया था, कौन धीमा बोला था और किसने चुप्पी धारण कर ली थी। जनता को हक है इस चुप्पी का, पर शासक का कर्तव्य है कि वह इस चुप्पी के कारणों को समझने की कोशिश करे। जनतंत्र में असहमति नागरिक का अधिकार है, और सच पूछा जाये तो जनतांत्रिक व्यवस्था की ताकत है यह असहमति का अधिकार। उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने असहमति को श्जनतंत्र का सेफ्टी वाल्वश्र कहा है। जनता के इस अधिकार को नकार कर या इसकी उपेक्षा करके सत्ता न केवल जनतांत्रिक मूल्यों को नकारती है, बल्कि जनतंत्र के मूल चरित्र को भी लांछित करती है। यही प्रवृत्ति किसी श्दिल्लीश्र को अपनी जनता से दूर करती है। जब भी ऐसा होता है, जनतंत्र कमजोर होता है। जनतंत्र के कमजोर होने का मतलब उन विश्वासों पर आंच आना है, जिन्हें आधार बना कर हमने भारत को एक महान गणराज्य बनाने का संकल्प लिया था।

इन्हीं विश्वासों का तकाजा है कि सत्ता और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करने की ईमानदार कोशिश हो। यह ईमानदारी दोनों ओर से अपेक्षित होती है। जनता को भी अपने अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन का धयान रखना चाहिए, पर बड़ा दायित्व श्दिल्लीश्र का है। दूरी कम करने की पहल भी उसे करनी है और इस पहल को सफल बनाने की जिम्मेदारी भी उसे ही निभानी है। नागरिक के अधिकारों की कीमत पर कोई जनतंत्र सफल नहीं हो सकता। नेतृत्व का दायित्व बनता है कि वह इन अधिकारों का महत्व समझे। दिल्ली और दिल की दूरी तभी कम हो सकती है, जब सत्ता, और विपक्ष भी, अपने सीमित हितों से ऊपर उठकर पूरे देश के बारे में सोचने लगें। श्मैं ही सही हूं, दूसरा सही हो ही नहीं सकताश्र, यह सोच जनतंत्र की मूल भावनाओं को नकारती है। मैं सही हूं, तुम भी सही हो सकते हो, अनेकांत का यह सि)ांत ही जनतंत्र की जड़ों का खाद-पानी है। सवाल जड़ों को मजबूत करने का है।

जम्मू-कश्मीर के नेताओं की बैठक में जब प्रधानमंत्री ने दिल्ली और दिल से दूरी कम करने की बात कही तो पता नहीं उनके मन में निकटता की क्या कल्पना थी, पर जनतंत्र की सफलता और औचित्य का तकाजा है कि इस निकटता को मूर्त रूप मिले। जनतंत्र में यह तभी संभव है जब सभी पक्ष एक-दूसरे को नकारा साबित करने के बजाय एक-दूसरे की क्षमताओं को जनतंत्र की सफलता में भागीदारी का अवसर देना जरूरी समझने लगें। श्दिल्ली दूर अस्तश्र भले ही अधूरेपन का एक मुहावरा बन गया हो, पर दिल्ली पास है का अहसास जगाकर ही देश की जनता को यह आश्वस्ति दी जा सकती है

दुनिया जीत अब ओलंपिक पर निशाना

अरुण नैथानी

दीपिका के सधो निशानों से प्रतिष्ठा के जो दीप जले हैं, उसने देश का नाम रोशन किया है। हाल ही में पेरिस में संपन्न तीरंदाजी विश्वकप में उसने तीन सोने के पदक अपने बनाये हैं। गरीबी की तपिश में निखरी दीपिका अब दुनिया की नंबर वन धानुर्धार बन गई हैं। दुनिया में पहली बार सुखद संयोग यह कि दीपिका और उसके पति के तीर ने सोने पर निशाना लगाया है। विश्व तीरंदाजी में यह पहला मौका है कि पति-पत्नी ने अपने देश के लिये सोने के तमगे जीते हों। दोनों की इस सुनहरी कामयाबी से भारत की ओलंपिक में सोने के पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं। यह दूसरी बार है जब दीपिका ओलंपिक से ठीक पहले तीरंदाजी में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हैं। दीपिका ने पेरिस में हुए विश्व कप में इतिहास रचते हुए एकल, महिला रिकर्व टीम और मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में ऐसा कमाल करेगी, ऐसा किसी ने सोचा भी न था। वह भी व्यद्रिगत स्पर्धा में रूसी खिलाड़ी को 6-0 से हराकर उसने सबको हैरत में डाल दिया। वाकई दीपिका के करिश्में से पैदा हुई चमक से पूरी दुनिया की आंखें चुंधियायी हुई हैं। उसका जज्बा देखिये कि इस सफलता के बाद भी पैर जमीन पर हैं। उसने कहा कि ओलंपिक जीतने के लिये मैं अपने खेल में और सुधार करूंगी। मैं लगातार सीखती रहूंगी। ओलंपिक जीतना मेरा सपना है। यूं तो मेहनती दीपिका ने कड़े संघर्ष के बाद यह मुकाम हासिल किया है लेकिन धानुर्धार पति अतानु दास मिलने से उसका उत्साह बढ़ा है। जीतने की प्रेरणा बढ़ी है। उसकी कामयाबी में निखार आया है। अभ्यास के दायरे व गुणवत्ता में इजफा हुआ है।

सही मायनों में दीपिका ने अपने परिवार की गरीबी से लडने के लिये धानुष उठाया था। कड़ी मेहनत व तपस्या के बाद आज न केवल दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हैं बल्कि अपने परिवार को आर्थिक संबल और प्रतिष्ठा भी दिलाई है। लेकिन तीरंदाजी का यह सफर इतना आसान भी नहीं था। पहले पिता ने उसके लड़की होने के कारण उसे सैकड़ों मील दूर एकेडमी भेजने से मना कर दिया था। वजह यह कि लोग कहेंगे कि बच्ची को नहीं पाल पा रहे हैं। झारखंड में बेहद गरीबी में पली दीपिका का जन्म भी बेहद मुश्किलों में हुआ। जब उसके पैदा होने से पहले उसकी मां को अस्पताल ले जाया जा रहा था तो वह अस्पताल पहुंच नहीं पायी और टैंपो में ही उसने दीपिका को जन्म दिया। उन दिनों पिता शिव नारायण महतो छोटी-मोटी दुकान चलाते थे और मां गीता पांच सौ रुपये माह की नौकरी करती थी। उसके बाद पिता टैंपो चलाते थे और मां किसी अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी की कर्मचारी थी। एक बार जब वह अपने ननिहाल गई तो ममेरी बहन ने किसी आर्चरी एकेडमी के बारे में बताया। जहां सब कुछ मुफ्त है आर्चरी की किट भी, रहना भी और खाना भी। तब तीरंदाजी सीखने की ललक के साथ माता-पिता का बोझ कम करना भी मन में था ताकि बाकी सदस्यों की परवरिश ठीक से हो सके। लेकिन पिता ने दोटूक शब्दों में मना कर दिया। लेकिन बाद में पिता को उसकी ललक और जिद के आगे झुकना पड़ा। वह कालांतर में खरसांवा एकेडमी में तीरंदाजी सीखने पहुंच गई। हालांकि, वहां संसाधानों का अभाव था। बाथरूम भी नहीं था और नहाने के लिये नदी पर जाना पड़ता था। जंगली जानवरों का भय बना रहता था। लेकिन जब सीखने की ललक और कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो तो ऐसी चुनौतियां कहां टिक पाती हैं। कड़ी मेहनत व लगन से उसकी नई राहें खुलती चली गईं। आज 27 साल की उम्र में वह दूसरी बार दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी बन गई है। उसकी झोली में आये विश्व स्तरीय स्पर्धाओं नौ स्वर्ण, बारह रजत तथा सात कांस्य पदक बहाये पसीने की गवाही देते हैं।

दीपिका ने अपनी इस यात्र के चौदह सालों में अपार प्रतिष्ठा प्राप्त कर तमाम पुरस्कार जीते हैं। इस लंबे समय में तमाम उतार-चढ़ाव आये हैं। यहां तक कि शुरुआत में कमजोर शरीर होने के कारण उसे एकेडमी ने दाखिला देने तक से मना कर दिया। उसने कुछ माह का समय मांगा और खुद को साबित किया। उसने तीरंदाजी की शुरुआत बांस के धानुष-बाण से की। पहली बार ओलंपिक गई थी तो घर की आर्थिक हालत कफी पतली थी। लेकिन चौदह साल की उम्र में धानुष उठाने वाली दीपिका कुमारी आज सधो हुए निशाने लगा रही है।

सही मायनों में दीपिका की प्रतिभा को धार तब मिली जब उनका परिचय वर्तमान कोच धार्मेंद्र तिवारी से हुआ। उन्होंने उसकी प्रतिभा को निखारा और उसके तीरों को धार दी। वर्ष 2008 में जूनियर वर्ल्ड चौंपियनशिप की चयन प्रक्रिया के दौरान उसका संपर्क कोच धार्मेंद्र तिवारी से हुआ। वे उसे अपनी टाटा आर्चरी एकेडमी लाये। फिर उसकी प्रतिभा को निखारने के लिये अनुकूल वातावरण मिला। फिर वह वर्ष 2012 में विश्व की नंबर एक तीरंदाज बनी। लेकिन ओलंपिक स्पर्धाओं में वह इतनी भाग्यवान न रही, पहली बार वह तेज हवाओं के साथ सटीक निशाने न लगा सकी और ब्रिटिश खिलाड़ी से हार गई। हार की टीस उसे कफी दिनों तक परेशान करती रही। एक बार फिर वह ओलंपिक से ठीक पहले विश्व नंबर तीरंदाज बनी है और सवा अरब देशवासियों की उम्मीदें ऊान पर हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वह इसी माह टोक्यो ओलंपिक से पति के साथ सोना लेकर लौटे।

सर्फ व्हाइट शर्ट पहने तारा सुतारिया ने दिखाया अपना बोल्ड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करके फैंस का दिल जीत लेती हैं. उनकी तस्वीरें पोस्ट होते ही वायरल हो जाती हैं. आज तारा ने अपनी बोल्ड तस्वीर शेयर की है जो पोस्ट होते ही वायरल हो गई है. फोटो में तारा ने सिर्फ व्हाइट शर्ट पहनी हुई है.तारा ने लेटेस्ट फोटोशूट डब्बू रतनानी के कैलेंडर के लिए करवाया है. इस बोल्ड तस्वीर में तारा ने सिर्फ व्हाइट कलर की शर्ट पहनी है. साथ ही नी लेंथ टैन बूट्स पहने हैं. तारा की इस तस्वीर से उनके फैंस की नजरें नहीं हट रही हैं. तारा की इस तस्वीर को 2 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं. उनके फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा– बहुत सुंदर. वहीं दूसरे फैन ने लिखा– माइ गर्ल इज ऑन फायर.

पारंम्परिक कुमाँऊनी कला को बचाने की मुहिम में जुटी भीमताल की गुंजन

नैनीताल। भीमताल की गुंजन मेहरा एक अच्छी प्रतिभाशाली ऐपण कलाकार है, वर्तमान में वह सोबन सिंह जीना परिसर अल्मोड़ा से अपनी पढ़ाई कर रही है। जो पिछले 2 वर्षो से ऐपण का अभ्यास कर रही है और इस पारंम्परिक कुमाँऊनी कला को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है इस कला को सीखने के महत्व को समझाने के लिए वह युवा महिलाओं को प्रोत्साहित करती रहती है साथ ही वह उन्हें इस तरह प्रशिक्षित करती है कि वे इस पारंम्परिक कौशल का उपयोग आय के स्त्रोत के रूप में भी कर सके। वह अपने ग्राहकों के लिए अनुकूलित उत्पाद बनाने के लिए ऐपण डिजाइनों को नेमप्लेटस, दियें, कोस्टर्स, पूजा थाल इत्यादि में पेंट करती है। गुंजन का कहना है कि आने वाले पीढियों में कुमाँऊ की पारंम्परिक संस्कृति के इस बेशकीमती हिस्से को विकसित कर सकेगें। और आधुनिकीकरण के नाम पर लोगों का शहरों में बसने से और कोई संयुक्त परिवार नहीं होने के कारण यह पारंम्परिक लोक कला तेजी से कम हो रही है। उत्तराखण्ड़ के बाहर पल-बड़ रही युवा पीढियों या बच्चों को तो ऐपण शब्द के बारे में पता भी नहीं है, अगर यह सिलसिला जारी रहा तो वह दिन आ सकता है जब इस लोक कला की धरोहर, इससे जुड़ी भावनाएँ और सांस्कृतिक मान्यताओं को आगे बढ़ाने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए कुमाँऊ की इस शानदार विरासत और धार्मिक महत्व के शिल्प को सहेजने और पुनजीर्वित करने की जरूरत है, और इन सब के बीच अभी भी कुछ महिलाएँ है, जो कुमाँऊ के इस प्राचीन कला को बचाने के लिए समर्पित है और आवश्यक प्रयासों में लगी हुई है।

लीज वाटरफॉल की, अन्य लोगों से भी लिया जा रहा शुल्क

नैनीताल। नैनीताल जिले कोश्या कुटोली तहसील के अंतर्गत कुलगाढ़ के ढोकाने में वाटरफाल के नाम पर गलत तरीके से शुल्क वसूला जा रहा है। आरोप है कि वाटरफॉल जिस शख्स को केएमवीएन ने लीज पर दिया है, उसने वहां गेट बनवाकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है और वह होमस्टे में जाने वाले पर्यटकों से भी वाटरफॉल देखने का शुल्क वसूल रहा है। बता दें कि ढोकाने झरना कुलगाढ़ ग्रामसभा में स्थित है यह प्राकृतिक झरना पर्यटकों के आकर्षण केंद्र है। इस झरने को जाने वाला रास्ता तथा भगवंत कुमार के होमस्टे को जाने वाला रास्ता एक ही है तथा इस रास्ते पर गेट लगाकर जाने वाले लोगों से 100 रुपया शुल्क लिया जा रहा है। शिकायतकर्ता भगवंत कुमार ने वाटरफाल के समीप अपनी भूमि पर स्वरोजगार के लिए ऋण लेकर 20 लाख की लागत से रेस्टोरेन्ट व होम स्टे का निर्माण किया है तथा कुमाऊँ मंडल विकास निगम ने जिस ठेकेदार को लीज दी है, वह होमस्टे में आने वाले पर्यटकों से भी झरने को देखने का शुल्क ले रहा है जिससे भगवंत कुमार के होमस्टे का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। मामले में शिकायत होने पर तहसीलदार की जांच के बाद एसडीएम ने गेट हटाने का आदेश देते हुए रिपोर्ट डीएम को भेज दी थी। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के अनुसार, यहां पहुंचने का रास्ता वाटरफाल जाने वाले रास्ते से होकर जाता है, मगर केएमवीएन ने ठेकेदार ने रास्ते में गेट लगा दिया है और प्रति व्यक्ति 100 रुपये प्रवेश शुल्क ले रहा है। होमस्टे संचालक ने इस सम्बन्ध में सिविल न्यायालय नैनीताल में इस सम्बन्ध में वाद दायर किया था जहाँ सिविल जज सविता चमोली ने भी होमस्टे में आने वाले लोगों से झरना देखने का शुल्क नहीं लेने के आदेश दिए थे, लेकिन भगवंत कुमार का कहना है कि होमस्टे में आने वालों से फिर भी शुल्क लिया जा रहा है। वहीं ग्राम प्रधान कुमोली तरुण कांडपाल का कहना है कि ढोकाने वाटरफॉल को लीज पर लेने वाले व्यक्ति सौरभ चौहान ने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया है जिसकी शिकायत उन्होंने प्रशासन से की है। साथ ही उनका यह भी कहना है कि कुमाऊं मंडल विकास निगम ने यह जमीन लीज पर दी है लेकिन वह इस जमीन के कागज नहीं दिखा पा रहे हैं और जब दस्तावेज ही नहीं हैं तो किस आधार पर ढोकाने वाटरफॉल लीज पर दे दिया।

पर्यावरण मित्र ने फांसी का लगाकर की आत्महत्या

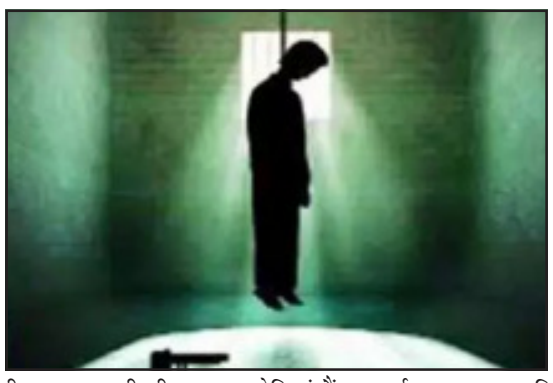

नैनीताल। नगर में पर्यावरण मित्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया है। मृतक के पिता नगर पंचायत में सफाई नायक हैं जबकि वह नगर पंचायत में ही बतौर पर्यावरण मित्र कार्यरत था। शनिवार की देर रात को वार्ड नंबर तीन निवासी नगर पंचायत लालकुआं के सफाई नायक श्रीपाल के बड़े बेटे सचिन उम्र 30 वर्ष ने अपने ही कमरे में फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। देर रात ही परिजनों को घटना की जानकारी हुई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया। मृतक युवक की तीन मासूम बेटियां हैं। सफाई नायक श्रीपाल का बेटा बहुत ही व्यवहारिक एवं मिलनसार था। वह पिछले कुछ समय से नगर पंचायत में ही बतौर पर्यावरण मित्र सेवारत था। युवक के निधन पर विधायक नवीन दुम्का, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल, नगर पंचायत अध्यक्ष लाल चंद्र सिंह, अधिशासी अधिकारी राजू नबियाल, पूर्व चेयरमैन रामबाबू मिश्रा, कैलाश चंद्र पंत, पवन कुमार चौहान, भुवन पांडे, दीवान सिंह बिष्ट, सभासद योगेश उपाध्याय, दीपक बत्रा, धन सिंह बिष्ट, हेमंत पांडे सहित भारी संख्या में क्षेत्र वासियों ने शोक व्यक्त किया।

नाबालिग किशोरी को बहलाफुसला ले जाने वाला युवक जसपुर से गिरफ्तार

नैनीताल। बेतालघाट ब्लॉक से बीते दिन विशेष समुदाय का युवक नाबालिग किशोरी को बहलाफुसला कर अपने साथ ले गया था। बेतालघाट पुलिस ने घटना के 12 घंटे के भीतर ही आरोपी को युवक को जसपुर से उसके दोस्त के साथ गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी के पिता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सुबह किशोरी के पिता को बच्ची के लापता होने की जानकारी मिली। समीपवर्ती गांव के उनके रिश्तेदार ने किशोरी को युवक के साथ बाइक पर जाते देखा था।गैर समुदाय के युवक के साथ किशोरी फरार होने की सूचना गांव में तेजी से फैल गई। दर्जनों ग्रामीण बेतालघाट थाने में पहुंच गए। किशोरी के पिता ने नाबालिग बेटी को बहलाफुसला कर भगाने का आरोप लगाया। गुस्साए ग्रामीणों ने थाने में प्रदर्शन कर शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बेतालघाट के थानाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा दोनों की खोजबीन शुरू हो गई। पुलिस ने आरोपी अली अहमद पुत्र मुस्तकीम अहमद जसपुर से बरामद कर लिया। इस दौरान किशोरी भी उसके साथ थी। पुलिस ने आरोपी के दोस्त वसीम के घर जसपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी अली व उसके मित्र के खिलाफ आईपीसी की धारा 363, 366, (क) 354, 354 (क) 368 भादवि व 7/8 पॉस्को केस दर्ज किया है।

सिंगल यूज प्लास्टिक कम करने का संकल्प

नैनीताल। इंटरनेशनल प्लास्टिक फ्री बैग डे के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स उत्तराखंड द्वारा यूनाइटेड नेशंस इंवायर्नमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्लास्टिक टाइड टर्नर चौलेंज कार्यक्रम के तहत रविवार को एक वेबीनार किया। प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर आयोजित वेबीनार के माध्यम से स्काउट गाइड द्वारा प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रादेशिक सचिव रविंद्र मोहन काला ने प्लास्टिक की आवश्यकता व वैकल्पिक कार्य योजना बनाने के बारे में जानकारी दी। वेबीनार के संयोजक के रूप में प्रादेशिक संगठन आयुक्त अंजलि चंदोला ने स्काउट संगठन के जनपद व ब्लॉक सचिवों के माध्यम से इस संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वेबीनार में की नोट स्पीकर के रूप में पीटीटीसी के राज्य समन्वयक कमलेश कुमार सती ने तकनीकी पक्षों की जानकारी दी। वेबीनार में सीनियर स्काउटर एसएस चौहान, शांति रतूड़ी, राजू गौतम, अनीता उनियाल, गौरीशंकर कांडपाल, चंद्र लाल, डॉ. हिमांशु पांडे, डीएस चौहान, प्रणव कांडपाल व संस्कार पांडे, 185 स्काउट गाइड व यूनिट लीडरों ने प्रतिभाग किया।

फसल नुकसान का सही ढंग से हो आंकलन

नैनीताल। जिला सहकारी बैंक निदेशक एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोपाल बिष्ट ने आपदा से भविष्य में काश्तकारों की फसल को होने वाले नुकसान का सही ढंग से आंकलन करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में एसडीएम धारी को ज्ञापन सौंपकर बारिश से नुकसान फसल का सही तरीके से आंकलन कराने के बाद ही काश्तकारों को नुकसान का बीमा क्लेम देने की बता कही। साथ ही मौसम विभाग को भी क्षेत्र में बारिश का सही आंकड़े देने के लिए निर्देशित करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि धारी व मुक्तेश्वर क्षेत्र के मौसम केंद्रों के डाटा पर भी अंतर बना रहता है। इस बार काश्तकारों को आलू का बीमा क्लेम देने में बीमा कंपनी द्वारा भारी गड़बड़ी व अनियमितता की गई थी। हालांकि बाद में काश्तकारों के साथ धरना प्रर्दशन करने पर बीमा कंपनी द्वारा क्लेम को रिवाइज कर दिया गया। बीमा कंपनी की हरकतों से धारी, रामगढ़, ओखलकांडा व भीमताल ब्लाकों के काश्तकार अपनी फसल का बीमा कराने से भी डर रहे हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से काश्तकारों के आलू व सेब की भांति पूलम, नाशपाती आदि फलों का भी बीमा कराने का प्राविधान कराने की मांग उठाई। ताकि पूलम व नाशपाती उत्पादक काश्तकारों को नुकसान पर राहत मिल सके।

भाजपा प्रदेश को अतिरिक्त आर्थिक बोझ की ओर धकेल रही : मनोज शर्मा

नैनीताल। कांग्रेस नेता मनोज शर्मा ने कहा कि भाजपा राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की जननी है। कहा कि प्रदेश की जनता ने प्रचंड बहुमत की भाजपा को सरकार बनाने का मौका दिया परंतु भाजपा नेतृत्व के अपरिपक्व राजनैतिक निर्णयों के कारण प्रदेश की जनता को परेशान होना पड़ रहा है। प्रदेश में बार-बार मुख्यमंत्री बदल कर प्रदेश में अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश में राजनेताओं, पूंजीपतियों, माफियाओं के गठजोड़ से राज्य के अनमोल प्राकृतिक संसाधनों को लूटा जा रहा है। अफसरशाही हावी हो चुकी है, जनता के मुद्दों से सरकार को कोई मतलब नहीं रहा। पांच साल मुख्यमंत्री हटाओ व बनाओ के समीकरण साधने में ही बीत गए। भीमताल विधानसभा क्षेत्र में स्वस्थ सेवाएं बदहाल हैं, सड़कें गद्दों में तब्दील हो चुकी हैं। इस राजनीतिक अस्थिरता से वैसे तो पूरे प्रदेश को नुकसान है परंतु भीमताल जैसी भौगोलिक परिस्थिति की विधानसभा क्षेत्र को ज्यादा ही नुकसान हो रहा है ।

प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जोशी पर हमले की आप ने करी निंदा

नैनीताल। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जोशी के ऊपर हुए जानलेवा हमले की निंदा करते हुए आरोपी के पर कार्रवाई करने की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अल्मोड़ा निवासी आप पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जोशी जब अपने घर की और जा रहे थे। इसी समय अचानक उनके ऊपर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें अमित जोशी को गंभीर चोटें आई हैं। कहा कि आप पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण अन्य दलों में खलबली मच गई है। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जोशी को सुरक्षा प्रदान करने की मांग भी की गई। इस दौरान पार्टी प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुमार दुमका, नगराध्यक्ष शाकिर अली, जिला महामंत्री देवेंद्र लाल, प्रदीप साह, विनोद कुमार, महेश आर्य, विनोद तिवारी, गणेश कांडपाल, हरीश बिष्ट, उमेश तिवारी, मो. शान बुराहान आदि मौजूद रहे।

धामी ने जताया मंत्रिमंडल हेतु पुराने चेहरों पर ही भरोसा

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर धामी के शपथ लेने के साथ ही मंत्रिमंडल के सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की। धामी मंत्रिमंडल में वही चेहरे शामिल हैं जो तीरथ मंत्रिमंडल में रहे। यानी ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि पुराने चेहरों पर ही भरोसा जताया गया। ऑनलाइन टीम, देहरादून। उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर सिंह धामी के शपथ लेने के साथ ही मंत्रिमंडल के सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की। धामी मंत्रिमंडल में वही चेहरे शामिल हैं, जो तीरथ मंत्रिमंडल में रहे। यानी ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि पुराने चेहरों पर ही भरोसा जताया गया है। हालांकि, इस बार मंत्रिमंडल में कोई भी राज्यमंत्री नहीं होगा। तो चलिए आपको धामी मंत्रिमंडल से रूबरू कराते हैं।

धामी मंत्रिमंडल पर डालें नजर

सतपाल महाराज
डॉ. हरक सिंह रावत
बंशीधर भगत
यशपाल आर्य
बिशन सिंह चुफाल
सुबोध उनियाल
अरविंद पांडेय
गणेश जोशी
धन सिंह रावत
रेखा आर्य
स्वामी यतीश्वरानंद

अब विभागों के बंटवारे पर नजर

सिर्फ मुख्यमंत्री का ही चेहरा बदला, लेकिन मंत्रिमंडल वही पुराना ही है। अब जब मंत्रिमंडल के सदस्यों ने शपथ ले ली है तो निगाहें विभागों के बंटवारे पर टिकी रहेगी। ये देखना बेहद दिलचस्प होगा कि मंत्रिमंडल के पुराने चेहरों के साथ जिम्मेदारियां भी पुरानी रहेंगी या नए सिरे से विभागों का बंटवारा किया जाएगा।

दोपहर तक मंत्रिमंडल की शपथ पर बनी थी असमंजस की स्थिति

रविवार को दोपहर बाद तक खटीमा विधायक पुष्कर सिंह धामी के साथ मंत्रिमंडल की शपथ पर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। विधायकों में नाराजगी को इससे जोड़कर देखा जा रहा था। खबरें ये भी थीं कि धामी अकेले ही सीएम पद की शपथ लेंगे। हालांकि, फिर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने ये साफ किया कि कहीं भी कोई नाराजगी नहीं है और मंत्रिमंडल के सदस्य धामी के साथ ही पद और गोपनीयता की शपथ ली।

ज्वालापुर विधायक के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

ऋ षिकेश। कांग्रेस ने महिला नेत्री के साथ दुष्कर्म के आरोपी ज्वालापुर विधायक के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। उन्होंने आरोपी विधायक को गिरफ्तार कर बर्खास्त करने की मांग की। आरोप लगाया कि खुद को पाक साफ बताने वाली भाजपा के विधायक महिला उत्पीडन के आरोपों में लिप्त पाये जा रहे है। लेकिन किसी के खिलाफ अभी तक कार्रवाही नहीं की गई है। रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता रेलवे मार्ग स्थित कांग्रेस भवन के सामने एकत्रित हुए और प्रदर्शन कर दुष्कर्म के आरोपी ज्वालापुर विधायक का पुतला फूंका। नगर कांग्रेस अध्यक्ष महंत विनय सारस्वत ने कहा कि बीजेपी नेता एक के बाद एक महिला उत्पीडन के आरोपों में लिप्त पाए जा रहे हैं, लेकिन उनको बर्खास्त करना तो दूर सरकार कोई भी कार्यवाही नहीं कर रही है। इससे प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं इन अपराधों में सरकार की भी मौन सहमति है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य जयेन्द्र रमोला ने कहा कि जहां एक और भाजपा के नेता बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देते है, वहीं दूसरी और इनके विधायक के खिलाफ भाजपा की महिला नेत्री द्वारा बलात्कर जैसे संगीन आरोप लगाए जाते है। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा की ये सरकार महिलाओं के सम्मान के प्रति कितनी संवेदनशील है। प्रदेश सचिव मदन मोहन शर्मा ने कांग्रेस विधायक द्वारा किये गये कृत्य की भर्त्सना कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों में पूर्व मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण, सुधीर राय, मधु जोशी, कमलेश शर्मा, रामकुमार भतालिये, सरोज देवराडी, अशोक शर्मा, नन्द किशोर जाटव, राम मूर्ति वर्मा, हर्ष शर्मा, संजय टंडन, रोशनी देवी, सीमा देवी, दीपक जाटव, ऋषि पोसवाल, इमरान सैफी, पुनंजय भारद्वाज, कमलेश शर्मा, राजेंद्र जाटव, राम कुमार, संजय भारद्वाज, प्रदीप जैन, हरिओम, आर्यन गिरी, सत्येन्द्र पंवार, ऋषि, मंटू यादव, शिवा सिंह शामिल थे।

हिमाचल की तर्ज पर उत्तराखंड में भू कानून लागू करे सरकार: उक्रांद

पूर्व सीएम त्रिवेंद्र पर भू माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगा किया पुतला दहन

ऋ षिकेश। यूकेडी ने प्रदेश सरकार के खिलाफ हल्ला बोला है। उन्होंने पूर्व सीएम व डोईवाला विधायक पर भू माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रदर्शन कर सशक्त भू कानून बनाने की मांग की। रविवार को डोईवाला में उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत का पुतला दहन किया। यूकेडी के केंद्रीय मीडिया प्रभारी शिव प्रसाद सेमवाल ने कहा कि जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया, लेकिन सरकार ने भू कानून और चकबंदी विभाग खत्म करके किसानों को भू-माफिया के हवाले कर दिया है। उन्होंने पूर्व सीएम व डोईवाला विधायक त्रिवेंद्र सिंह रावत पर भू माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। कहा कि डोईवाला के सिंधवाल गांव लेदड़ी, सूर्यधार आदि जगह-जगह ग्रामीणों की अंधाधुंध जमीनें बाहरी लोगों को बेच दी गयी हैं। जिलाध्यक्ष केंद्रपाल सिंह तोपवाल ने कहा कि जब तक सशक्त भू कानून लागू नहीं हो जाता, यह आंदोलन जारी रहेगा। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि डोईवाला विधायक व पूर्व सीएम ने ही भू कानून समाप्त कराया है, इसलिए उन्हीं की विधानसभा से इस आंदोलन को पूरे उत्तराखंड में फैलाया जाएगा। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष बीना नेगी ने कहा कि डोईवाला में सैकड़ों बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हो चुके हैं, लेकिन सरकार भू माफिया को ही संरक्षण दे रही हैं। उन्होंने हिमाचल की तर्ज पर भू कानून लागू किए जाने की की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में अंकित कुडियाल, दिनेश सेमवाल, धर्मवीर गुसाई, अवतार बिष्ट, पंकज तिवारी, पिंकी थपलियाल, विमल उनियाल, रमेश उनियाल, दामोदर जोशी, सुरेंद्र चौहान, प्रभाकर तिवारी, निर्मला भट्ट, तारा देवी यादव, बीना नेगी, पूनम देवी, भावना मैठाणी, कमला देवी, शोभा देवी, अशोक तिवारी , अंशुमान, शुभम रावत, प्रदीप सिंह, मनीष खत्री, दीपक सिंधवाल, योगी पंवार, दीपक नेगी, मोहित सिंधवाल, मोनू सिंधवाल, रूपेश सिंधवाल, सुमित सिंधवाल, सार्थक सेमवाल, राहुल रावत, विवेक रौथाण आदि शामिल थे।

लक्सर-भगवानपुर रूट पर रोडवेज बसें न चलने से परेशानी

हरिद्वार। उत्तराखंड परिवहन निगम (रोडवेज) की बसों में भले ही यात्रियों की संख्या बढ़ गई हो, लेकिन अभी भी कई रूटों पर रोडवेज के अधिकारी बस चलाने को तैयार नहीं है। जिसका फायदा प्राइवेट वाहन संचालकों को मिल रहा है। यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। जबकि यात्रियों को भी बसें न चलने के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। कोरोना कर्फ्यू के बाद से ही लक्सर और भगवानपुर रूट पर बसें बंद कर दी गई थीं। लक्सर रूट पर चलने वाली जेएनएनयूआरएम की बसें बस अड्डे व वर्कशॉप में खड़ी हुई हैं। सचिन कुमार, सुमित सैनी, विजेंदर चौधरी, फरमान ने बताया कि लक्सर से प्रतिदिन हरिद्वार काम करने के लिए आते हैं। पहले रोजाना बस से आना जाना होता था।

कांग्रेस ने की ज्वालापुर विधायक की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग, पुतला दहन

पौड़ी। हरिद्वार के ज्वालापुर से भाजपा विधायक सुरेश राठौर पर महिला द्वारा लगाए गए दुष्कर्म के आरोपो की जांच व विधायक की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला फूंकते हुए निष्पक्ष तरीके से मामले की जांच करने की मांग उठाई। रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के आह्वान पर पौड़ी में प्रदेश भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। प्रदर्शन करते हुए जिलाध्यक्ष कामेश्वर राणा ने कहा कि महिला सुरक्षा की आड़ में महिलाओं के वोट लेकर सत्ता पर काबिज होनी वाली भाजपा सरकार के विधायक पर उनकी ही पार्टी की महिला नेत्री द्वारा दुष्कर्म का आरोप लगाया गया है। जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और भाजपा विधायक को नैतिकता के आधार पर तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर विधायक को गिरफ्तार करने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन करने वालों में जिलामहामंत्री वीर प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अनुजा विभाग तामेश्वर आर्य, जिला उपाध्यक्ष विनोद दनोशी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष गौरव सागर, जिलाध्यक्ष अनुजा विभाग बीरबल सिंह मंडागी, जिलामहामंत्री विनोद नेगी, उपेंद्र रावत, आकाश नेगी, गौरव नेगी, गौरभ मंद्रवाल, भाष्कर बहुगुणा, देवेंद्र रावत आदि शामिल थे।

आरएसएस ने दक्षद्वीप पर किया 220 पीपल के वृक्षों का रोपण

हरिद्वार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरिद्वार नगर के तत्वाधान में दक्षद्वीप पर 220 पीपल के पेड़ लगाए गए। 5 से 6 फिट ऊंचे पेड़ों को टी-गार्ड लगाकर सुरक्षा दी गई है। साथ ही कनखल मण्डल के कार्यकर्ताओं ने इन पेड़ों की रक्षा का संकल्प लिया। कनखल स्थिति दक्षद्वीप क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के महन्त दामोदर दास महाराज ने कहा कि सनातन परंपरा में वृक्षों का विशेष महत्व है। हमारे यहां पीपल वृक्ष को देवता के रूप में पूजा जाता है। यही देवता संकट के समय ऑक्सीजन रूपी प्राणवायु हमें देते हैं। युवा सन्त रवि देव शास्त्री ने कहा कि 5-6 फुट बड़े वृक्ष लगाने से उनके जीवित रहने की संभावनाएं बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बड़े पेड़ों को वटवृक्ष बनने में अधिक समय नहीं लगता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख सुशील कुमार ने कहा कि कोरोना काल में हम सब ने ऑक्सीजन की भारी किल्लत झेली है। भविष्य में ऑक्सीजन की कमी ना हो इसके लिए हम सब को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन देने वाले पीपल व बरगद के पौधों को हमें अधिक से अधिक रोपित कर उनके बड़े होने तक उनका संरक्षण करना चाहिए। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव ललित नारायण मिश्रा ने कहा की कोई भी कार्य बिना समाज की सहभागिता के संपन्न नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने इतने बृहद रूप में जो वृक्षारोपण अभियान चलाया है। इससे समाज को प्रेरणा मिलेगी। नगर निगम आयुक्त जय भारत सिंह ने आरएसएस के इस सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वृक्ष लगाने के साथ ही इनके संरक्षण का जो संकल्प स्वयंसेवकों ने लिया है वह प्रेरणादाई है। आरएसएस के जिला संघ चालक रोहिताश कुंवर ने कहा कि समाज अपनी प्रकृति के प्रति सहज हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आज हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष आवश्यक लगाना चाहिए। विभाग प्रचारक शरद कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी ने हर व्यक्ति को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमारे कारण जो प्रकृति का दोहन हो रहा है, उसका खामियाजा भी हमें और हमारी आने वाली पीढियों को भुगतना पड़ेगा। इसलिए अब आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे और अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण की चिंता करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने परिवार में घर में पेड़ पौधे अवश्य लगाएं। नगर संचालक डा.यतीन्द्र नागयान ने बताया कि कनखल के स्वयंसेवको द्वारा पिछले 4 सप्ताह से लगातार अपने खर्चे पर वृक्ष खरीद कर उनका रोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज वृहद रूप में सभी स्वयंसेवकों ने 220 पीपल के वृक्ष लगाए हैं। उन्होंने बताया कि वृक्ष लगाने के बाद प्रतिदिन इनकी देखरेख खाद पानी के लिए कनखल मंडल के स्वयंसेवक चिंता करेंगे। आपसी सहयोग से पीपल के 5-6 फुट ऊंचे पौधों को सहारनपुर से मंगवाया गया है। साथ ही जानवरों से इनकी सुरक्षा के लिए जाली का गार्ड लगाया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान अभी पूरी वर्षा काल में जारी रहेगा। इस अवसर पर संस्कृत अकादमी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर प्रेम चंद्र शास्त्री, जिला प्रचारक अमित कुमार, नगर कार्यवाह गुरमीत सिंह, सह नगर कार्यवाह डा.अनुराग, डा.रतनलाल, अमित शर्मा, बलदेव सिंह रावत, राजेश शर्मा, अनिल प्रजापति, अमित त्यागी, कुलदीप, भूपेंद्र रावत, प्रवीण शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाए प्रशासनः विशाल राठौर

हरिद्वार। धर्मनगरी में बढ़ते अवैध नशे के कारोबार को बंद करने की मांग को लेकर सेवादल प्रदेश प्रवक्ता विशाल राठौर के संयोजन में ज्वालापुर रेलवे फाटक पर धरना प्रदर्शन कर नशे के कारोबार को बंद करने की मांग की गयी। विशाल राठौर ने कहा कि युवा पीढ़ी स्मैक, सुल्फा, शराब की लत का शिकार हो रही है। सैकड़ों युवाओं का जीवन नशे की लत के कारण बर्बाद हो चुका है। सरकार नशे पर किसी भी प्रकार का कोई अंकुश नहीं लगा पा रही है। नशे का अवैध कारोबार कर रहे कारोबारी गली मौहल्लों में स्मैक की खेप पहुंचा रहे हैं। कारोबारियों पर पुलिस प्रशासन अंकुश नहीं लगा पा रहा है। धर्मनगरी की मान मर्यादाओं को भी ठेस पहुंचायी जा रही है। नशे की लत का शिकार युवा आए दिन लड़ाई झगड़े करने पर आमादा रहते है। सामाजिक अपराध नशे के कारण बढ़ रहे हैं। अवैध नशे के कारोबार पर संपूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाए। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता वरूण बालियान ने कहा कि भाजपा जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण ही नशे का कारोबार संचालित है। स्थानीय विधायक, सांसद धर्मनगरी में फल फूल रहे कारोबार पर कोई अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। नशे की सामग्री युवाओं को आसानी से उपलब्ध हो जाती है। नशे का व्यापार खूब तेजी के साथ धर्मनगरी में बढ़ रहा है। लगातार अपराध बढ़ रहे हैं। नशे की लत के कारण परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं। भाजपा के जनप्रतिनधि अपना सामाजिक दायित्व भी नहीं समझ रहे हैं। अनुसूचित विभाग के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार कढ़च्छ ने कहा कि नशे का कारोबार संचालित करने वाले कारोबारियों को चिन्हित कर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। शराब, सुल्फा, स्मैक की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। लगातार पुलिस विभाग भी नशे के प्रति जनजागरूकता अभियान तो चला रहा है। लेकिन धरातल पर नशे के कारोबारियों पर कार्रवाई को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। धरना देने वालों में वीरेंद्र भारद्वाज, त्रिपाल शर्मा, अशोक कुमार सिंह, अतुल सिद्धार्थ, विजयपाल राठौर, जगपाल सिंह, बलराम सिंह, नितिन कटारिया, आदित्य कुमार, लक्की वर्मा, जावेद खान, नदीम मलिक, शाहरूख, सतीश कुमार, कुशलपाल वीर, शफीक आदि शामिल रहे।

स्थानीय निवासियों ने किया बैरागी कैंप को डंपिंग जोन बनाने का विरोध

हरिद्वार। कनखल स्थित वार्ड 30 के बैरागी कैंप को डंपिंग जोन बनाने का स्थानीय निवासियों ने विरोध किया। स्थानीय निवासियों ने मेयर प्रतिनिधि धनीराम शर्मा के नेतृत्व में मुख्य नगर आयुक्त, पार्षद और स्थानीय विधायक के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। इस दौरान कूड़ा फेंकने आए वाहन को भी लोगो ने कूड़ा नहीं फेंकने दिया और वाहन को दौड़ाया। धनीराम शर्मा, किरण सहगल, मंजू, कमलेश मिश्रा ने कहा कि महाकुंभ मेले के बाद से कनखल क्षेत्र का सारा कूड़ा बैरागी कैंप में डाला जा रहा। कई बार पार्षद सचिन अग्रवाल के सामने इसका विरोध किया गया। लेकिन पार्षद कुछ नही कर रहे हैं। कूड़े के कारण आसपास बहुत बदबू रहती है। साथ ही संक्रमण फैलने से बीमारियों का भी खतरा बना हुआ है। निगम अधिकारियों के आदेश पर इसे डंपिंग जोन बना दिया गया। पार्षद वोट मांगने तो आ जाते हैं। लेकिन जनता की समस्याओं से पार्षद को कुछ लेना देना नहीं है। विपिन पेवल, पूजा शर्मा ने कहा कि डंपिंग जोन होने से आवारा पशु भी घूमते रहते हैं। बार बार अधिकारियों से कूड़ा हटाने को कहा गया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। मुख्य नगर आयुक्त विधायक मदन कौशिक के इशारे पर काम कर रहे। इस अवसर पर कमलेश देवी, लक्ष्मी देवी, मनसा देवी, प्रेमवती, मंजू देवी, अनिता सैनी, सुशीला, राधा, पूनम, संजीव सहगल, मनोज जाटव, नवेज अंसारी, पवन अरोड़ा, हरद्वारी लाल, विजय कुमार प्रजापति, सुमित भाटिया, संगम शर्मा, वसीम सलमानी, जगदीप असवाल, अजय मुखिया, रजत कुमार, भगवंती, सलोनी, मुन्नी सैनी, उषा सैनी, विशाल कुमार, राजवीर कश्यप, राजेन्द्र कुमार, विजय कुमार, शिवा राणा, कल्लू, गौरव राणा, राहुल कुमार, रवि कुमार, सन्नी कुमार, विपिन कुमार आदि शामिल रहे।

महंगाई पर नियंत्रण करने में नाकाम है मोदी सरकारः अंजू मिश्रा

हरिद्वार। महिला कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष अंजू मिश्रा ने केंद्र सरकार पर महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आम जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और महंगाई पर बिल्कुल भी लगाम नहीं लगा पाई। प्रैस को जारी बयान में उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर रोज इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हो गई है। जिस देश में 80 करोड़ जनता गरीब हो और यह आंकडा कोरोना से पहले का है। आज की स्थिति तो और बदतर है। आज मध्यम वर्ग को घर चलाना मुश्किल हो गया है। रोजगार है नही बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भारत में बेरोजगारी दर मार्च 2021 में 6.2 और शहरों में 7.6 और यह बहुत ही चिंता का विषय है। लेकिन जो प्रधानमंत्री कहा करते थे कि मैं गरीबी के बीच ही पला बड़ा हुआ हूं। वो सिर्फ गरीबी का मजाक उड़ा रहे हैं। जबकि वो जानते हैं कि कोरोना काल में लोगों के पास काम है नही, नौकरियों है नहीं। लोगों का घर चलाना मुश्किल हो गया है। उस पर महगाई की मार। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को चाहिए था ऐसे वक्त में गरीब जनता के एकाउंट में कम से कम पांच हजार डलवाने चाहिए थे। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। हर रोज पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। सरकार कहती हैं कि अन्तरराष्ट्रीय पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं और हमें विकास के कार्यो के लिए पैसा चाहिए। जब सरकार ने इतने सालों में देश की जनता के लिए कोई भी सकारात्मक काम नहीं किया है। जैसे नोटबंदी, जीएसटी लोकडाउन जो सरकार के गलत निर्णयों की वजह से जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आप हर चीजों मैं अमेरिका और बड़े देशों का उदाहरण देते हो चाहे वैक्सीनेशन हो या पैसे। अमेरिका की जनसंख्या के 60 फीसदी वैक्सीनेशन हो गया है और भारत में 4 फीसदी भी पूरी तरह से नहीं हुआ है। अमेरिका ने अपने देश के लोगों के एकाउंट में 70 हजार डाले और हमारे यहाँ सिर्फ 500, अगर आपको उदाहरण देने है तो सही तरीके से देने चाहिए। आप भारत देश के प्रधानमंत्री हो ना कि अमेरिका के, भारत की 80 करोड़ जनता गरीब हैं और आपकी भाषा में 136 करोड़ जनता ने आपको जिताया था। आपको उनके दुख को समझना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

जेई समेत 7लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रुड़की। खानपुर के प्रहलादपुर गांव निवासी एक युवक ने जेई समेत सात लोगों पर अपने पिता पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खानपुर थाना क्षेत्र के प्रहलादपुर गांव निवासी अंकुर पुत्र सनत कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि विगत 26 जून को उसके पिता और भाई सुमित कुमार खेत में ट्रैक्टर से पानी दे रहे थे। खेत बड़ा होने कारण शाम को देर हो गई। जब वह ट्रैक्टर लेकर वापस घर आ रहे थे इसी दौरान गांव के सोमबीर उर्फ सोनवीर, सोनू, गौतम, राजकुमार, अनुराग, हिमांशु और संदीप ने उसके पिता को गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। जब उसके पिता और भाई ने गाली गलौज करने का विरोध किया तो उन्होंने लाठी-डंडों व धारदार हथियार से वार कर दिया। जिससे उसके पिता की हाथ की उंगलियां कट कर गिर गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर आ गए। जिन्हें देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुऐ फरार हो गए। खानपुर एसओ अभिनव शर्मा ने बताया कि सभी सातो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सोनू कुमार हरिद्वार सिंचाई विभाग में जेई के पद पर तैनात है। जेई पर भी पीडिघ्त के पिता के साथ धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप लगा है।

मकान पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में मारपीट

रुड़की। मकान पर कब्जे को लेकर कान्हापुर में दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मौके पर जमकर मारपीट हुई। ग्रामीणों ने मामला शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन मामला शांत नहीं हो पाया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीन लोगों को मौके से हिरासत में लिया। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के कान्हापुर में दो पक्षों में मकान पर कब्जे को लेकर विवाद चला आ रहा है। रविवार सुबह एक पक्ष मकान पर कब्जा करने को लेकर आया था। इस बीच दूसरे पक्ष ने आपत्ति जतानी शुरू कर दिया और मकान पर कब्जा देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। मामला बिगड़ता देख दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले। ग्रामीणों ने मामला शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन मामला शांत नहीं हो पाया। हालात बिगड़ते देख सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से दोनों पक्षों के तीन लोगों को हिरासत में लिया। इंस्पेक्टर अमर चंद शर्मा ने बताया कि सोनू, ओम प्रकाश और सतीश निवासी कान्हापुर का शांतिभंग में चालान किया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह औश्र सचिन शामिल रहे।

जमीनी रंजिश में महिला की धारदार हथियारों से हत्या

रुड़की। खानपुर के दल्लावाला में जमीनी रंजिश को लेकर महिला की धारदार हथियारों से काटकर हत्या कर दी गई। बाद में महिला के परिजनों ने हंगामा कर दिया। सूचना पर पहुंचे सीओ ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। दल्लावाला गांव के मांगेराम का एक ही बेटा सोकेश था। करीब तीन साल पहले दाबकी खेड़ा के कुछ युवकों ने उसकी हत्या कर दी थी। उस समय सोकेश की दो बेटियां थी। बाद में मांगेराम ने अपने सगे भाई सुरेशपाल के बेटे अमित को गोद लिया था। साथ ही मृतक सोकेश की नवविवाहिता पत्नी की भी उसी से दूसरी शादी करा दी थी। इसके बाद से अमित परिवार सहित सुरेशपाल के मकान में ही रह रहा था। इस दौरान मांगेराम ने अपनी जमीन का कुछ हिस्सा अपनी दोनों पोतियों के नाम कर दिया। उधर सुरेशपाल चाहता था कि मांगेराम अपनी जमीन अमित के नाम करे, जबकि मांगेराम ऐसा नहीं कर रहा था। इसी को लेकर दोनों के बीच मनमुटाव था। शनिवार देर शाम मांगेराम की पत्नी कमलेश (45) अपनी पोती रिया को लेने देवर सुरेशपाल की तरफ गई थी। वहीं सुरेशपाल के परिवार की कमलेश से कहासुनी हो गई। इसके बाद सुरेशपाल पक्ष ने धारदार हथियारों से कमलेश पर हमला कर दिया। हमले में कमलेश की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सुरेशपाल का परिवार गांव से फरार हो गया। उधर, कमलेश के परिजनों ने शव वहीं रखकर हंगामा कर दिया। सूचना पर सीओ विवेक कुमार व एसओ अभिनव शर्मा मौके पर पहुंचे और उन्हें समझाकर शव कब्जे में ले लिया। एसओ शर्मा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मांगेराम की तहरीर पर आरोपी सुरेशपाल, उसेक बेटे अमित, अंकित, गुरदीप के अलावा संदीप, सियावती, कौशल व रीना के खिलाफ हत्या का मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया है।

संदिग्ध परिस्थिति में ससुराल में रह रहे युवक की मौत

रुड़की। गांव बुडपुर नूरपुर में ससुराल में रह रहे एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। गांव खरखड़ी दयाला निवासी अंकित पुत्र रमेश की शादी कुछ वर्ष पूर्व गांव बूडपुर नूरपुर निवासी महावीर की पुत्री सोनिया से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही अंकित अपनी पत्नी के साथ ससुराल में ही रह रहा था। इन दोनों के एक बच्चा भी है तथा पत्नी सोनिया गर्भवती बताई गई है। शनिवार को अंकित की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतक अंकित के ससुराल वालों ने अंकित की मौत की खबर गांव खरखड़ी में उसके परिजनों को दी। परिजनों के आने पर उन्होंने पुलिस को फोन से सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार का कहना है कि मृतक अंकित के परिजनों की ओर से तहरीर आई है तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

टीबी मरीजों को मिले बेहतर इलाजः डीएम

पौड़ी। डीएम डा.विजय कुमार जोगदंडे ने जिला टीबी फोरम की बैठक में टीबी मरीजों का रोस्टर तैयार कर कार्य करने को कहा। कहा कि जिले में टीबी से ग्रस्थित लोगों का चिन्हीकरण कर उनका एचआईबी टेस्ट करवाया जाए। इससे रिपोर्ट का परिणाम भी बेहतर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में जितने भी टीबी से ग्रस्थित हैं, उनका इलाज के लिए स्वास्थ्य टीम गठित की गई है। सभी ब्लाकों में गठित टीम द्वारा बेहतर कार्य कर रही हैं।

गृहकर माफी की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने किया प्रदर्शन

रुड़की। रुड़की के पुरानी तहसील क्षेत्र के लोगों ने आवासीय एवं व्यवसायिक भवनों का टैक्स माफ करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय पार्षद के नेतृत्व प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कोरोना संक्रमण की वजह से लोगों की आर्थिक समस्याओं को देखते हुए हाउस टैक्स माफी की मांग की। कोरोना संक्रमण के बाद उपजे हालात और कोविड कर्फ्यू की वजह से लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। नगर निगम रुड़की वर्ष 2021-22 के लिए गृहकर व व्यवसायिक कर के बिल भेजने की तैयारी कर रहा है। बिल बनाए जाने का काम निगम में चल रहा है। गृहकर व व्यवसायिक कर के बिल अगले माह से आने शुरू हो जाएंगे। इसे देखते हुए नगर निगम के पुरानी तहसील वार्ड के पार्षद नितिन त्यागी ने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर गृहकर के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने वर्ष 2021-22 का गृहकर माफ कर दिये जाने की मांग की। पार्षद नितिन त्यागी ने कहा कि कोरोना के कारण इस बार भी कारोबार पर बहुत बुरा असर पड़ा है। कोरोना कर्फ्यू के कारण कारोबार ठप हो गए हैं। कई व्यक्तियों का रोजगार छिन गया है। लोग आर्थिक तंगी के शिकार हैं। ऐसी स्थिति में गृहकर के बिल वह कैसे दे पाएंगे। नगर निगम को कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए मानवीय आधार पर गृहकर माफ कर देना चाहिए। उन्होंने नगर निगम के महापौर गौरव गोयल व नगर आयुक्त नूपुर वर्मा से गृहकर माफ किये जाने की मांग की है। पार्षद ने कहा कि गृहकर माफी का यह प्रस्ताव बोर्ड बैठक में भी रखेंगे। इस मौके पर श्रीकांत शर्मा, सतीश कुमार धीमान, मनोज खुराना, ललित वत्स, अजय गुप्ता, राजीव, मनोज, विनय त्यागी, बबीता, भानु वर्मा, मनी वर्मा, तुषार, विवेक कुमार धीमान, नितिन मेहरा, शुभम, अर्पित वर्मा, गौरव, राम कुमार जैन, विवेक गुप्ता, भानु वर्मा, विनय त्यागी, डिंपल आदि मौजूद रहे।

बैंक के पास गिरवी रखी जमीन धोखाधड़ी से बेची

रुड़की। बैंक के पास अपनी जमीन को गिरवी रख कर वहां से लाखों रुपये का ऋण लेकर जमीन को किसी अन्य को बेच दी गई। बैंक में ट्रैक्टर खरीद आदि के जो प्रपत्र पेश किए गए। जांच में वह भी फर्जी पाए गए। बैंक को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ तो उसके द्वारा आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी ग्रामीण के खिलाफ अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। नारसन क्षेत्र के गांव खेड़ा जट्ट निवासी उधम सिंह उर्फ उदयवीर पुत्र कर्म सिंह ने जून 2014 से जुलाई 2017 तक अपनी कृषि भूमि भारतीय स्टेट बैंक की रुड़की रामनगर शाखा में गिरवी रखकर वहां से ट्रैक्टर खरीद के लिए 8 लाख रुपए का ऋण लिया। उसके अलावा किसान कृषि कार्ड पर भी उसके द्वारा 3 लाख रुपए का ऋण लिया गया। लेकिन आरोपी ने ऋण वापस नहीं किया जिसके बाद बैंक द्वारा उसको विधिवत नोटिस जारी किए गए। लेकिन उसने किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं दिया। आरोप है कि आरोपी ने जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार तथा उसी के आधार पर उसने अपनी जमीन को किसी बलबीरी नामक महिला को बेच दी जिसका बैनामा भी कर दिया गया। आरोपी द्वारा जब बैंक को किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं दिया गया तो बैंक ने जांच पड़ताल शुरू की पता चला कि आरोपी ने वह जमीन पहले ही भेज दी है जिसके बाद उसके पर पत्रों की जांच का कार्य शुरू हुआ पता चला कि जो ट्रैक्टर उसके द्वारा बैंक से ऋण लेकर खरीदा गया था वह वास्तव में फर्जी था जो आरसी तथा अन्य कागजात पेश किए गए वह भी फर्जी पाए गए। इस संबंध में बैंक द्वारा एक और नोटिस आरोपी को जारी किया गया लेकिन आरोपी ने उसका भी कोई जवाब नहीं दिया संबंधित मामले में बैंक द्वारा जांच पड़ताल के बाद रजिस्ट्रार कार्यालय से यह भी पता लगाया गया कि जमीन किस तारीख में बेची गई है। इस संबंध में एसबीआई रामनगर कृषि विकास शाखा के फील्ड ऑफिसर उदय सिंह की तरफ से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार को प्रार्थना पत्र दिया गया जिस में मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की गई थी। एसएसपी ने मंगलौर पुलिस को मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई किए जाने के आदेश दिए। एसएसआई देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि एसएसपी के आदेश पर आरोपी किसान के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है मामले की जांच नारसन चौकी प्रभारी लोकपाल परमार को सौंपी गई है।

डीएवी इंटर कॉलेज ने 86वां स्थापना दिवस मनाया

रुड़की। कन्हैया लाल डीएवी इंटर कॉलेज के 86वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कॉलेज के पूर्व छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कॉलेज के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया। कई अतिथि और छात्र वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े रहे और अपने विचार प्रकट किए। डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर व हवन के साथ किया गया। उसके पश्चात स्थापना कुल गीत का गायन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उत्तराखंड स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि राय साहब कन्हैया लाल समाजसेवी परोपकारी व शिक्षा के पुजारी थे। उन्होंने समाज को शिक्षित करने के लिए अपनी समस्त संपत्ति दान कि इससे बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डॉ सुबोध पुंडीर ने कहा कि संसार में कुछ भी असंभव नहीं है आवश्यकता है तो सिर्फ लक्ष्य को पाने के लिए मन में एक जुनून की कर्तव्य के प्रति निष्ठावान बनने की चुनौतियों का सम्मान करने की दुनिया की कोई ताकत हमारे कदमों को बढने से नहीं रोक सकती। उन्होंने छात्रों को शिक्षा वर्जन के साथ ही चरित्र निर्माण व नैतिक मूल्यों को आत्मसात करना अति आवश्यक बताया। वर्चुअल कार्यक्रम के एडमिन एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. डीबी गोयल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन रुड़की नगर के लिए ऐतिहासिक दिन है आज यह संस्था 86 वर्ष में प्रवेश कर चुकी है राय साहब कन्हैयालाल ने 1936 में संस्था के रूप में एक पौधा रोपा था जिसका विशाल विकसित रूप इंटर कॉलेज डिग्री कॉलेज में पॉलिटेक्निक के रूपी शाखाओं के रूप में हमारे सामने हैं। यह विद्यालय प्रबंधक समिति कार्यरत शिक्षक शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं का नित्य नई ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा है।

दुकान के गोदाम से लाखों का सामान चोरी

रुड़की। कस्बे में स्थित परचून की दुकान के गोदाम में सेंध लगाकर लाखो रुपए का सामान चोरी कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी देर तक मामले की जानकारी ली। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। गौरतलब है कि कस्बे भगवानपुर में स्थित विपिन कुमार निवासी रूहालकी दयालपुर कई वर्षों से परचून की दुकान चला कर अपना जीवन यापन कर रहा है। गत दिवस भी वह रोज की भांति अपनी दुकान बंद कर घर चला गया। लेकिन सुबह जब दुकान पर पहुंचा तो दुकान के गोदाम की दीवार में सेंध लगी देख उसके पैरों तले कि जमीन खिसक गई। तभी वहां पर आसपास के लोगों की भीड़ इक;ा हो गई। दुकान संचालक ने अंदर देखा तो दुकान का सामान बिखरा पड़ा है जिसमें उन्होंने बताया कि फार्च्यून के तेल के टीन व बीड़ी, माचिस, सिगरेट का बोर तथा अन्य सामान चोरी कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी देर तक मामले की पड़ताल भी की। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल ने शुरू कर दी है। पीडिघ्त विपिन कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर करीब एक लाख रुपये का सामान चोरी के जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। भगवानपुर उपनिरीक्षक बृजपाल ने बताया कि जानकारी मिली है। मामले की पड़ताल की जा रही है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

आयुर्वेदिक क्लीनिकल ट्रायल अब आयुर्वेद की शब्दावली में बने सीटीआरआई पोर्टल का हिस्सा

नई दिल्ली । भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों हो रहे चिकित्सीय परीक्षण या क्लीनिकल ट्रायल को अब विश्व व्यापी पहचान मिलने की राह और मजबूत हो गई है। आयुर्वेद के तहत किए जा रहे चिकित्सीय परीक्षणों को क्लिनिकल ट्रायल रजिस्ट्री–इंडिया में आयुर्वेद की शब्दावली में ही शामिल किए जाने से यह संभव हो पाया है। सीटीआरआई पोर्टल में इस आयुर्वेद अंश को शामिल करने का लोकार्पण सोमवार को आयुष मंत्री किरेन रिजिजू के हाथों होगा। ध्यान रहे कि इस काम को अंजाम देने में आईसीएमआर का विशेष सहयोग रहा है। इसके साथ ही केन्द्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित चार अन्य पोर्टलों का भी लोकार्पण आयुष मंत्री करेंगे।

उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार मानवों पर दवा, उपचार आदि का किसी भी तरह का क्लीनिकल ट्रायल सार्वजनिक रूप की किसी भी रजिस्ट्री में दर्ज किया जाना जरूरी है और भारत में यह काम विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से प्रमाणित सीटीआर–इंडिया पोर्टल पर किया जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि आयुर्वेद में अभी तक क्लीनिकल ट्रायल नहीं हो रहे थे। आयुर्वेद में क्लीनिकल ट्रायल लगातार हो रहे हैं। आयुर्वेद की अपनी चिकित्या पद्धति है और उसमें चिकित्सीय परीक्षण की अपनी शब्दावली है। यह शब्दावली अभी तक सीटीआरआई का हिस्सा नहीं बन पाई थी। इस वजह से आयुर्वेद में क्लीनिकल ट्रायल करने वालों को अनुवाद और ऐलोपैथी की चिकित्सीय शब्दावली का सहारा लेना पड़ता था।

अब भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान–राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान सांख्यिकी संस्थान ने सीटीआरआई पोर्टल में आयुर्वेद की चिकित्सीय शब्दावाली को शामिल कर लिया है। इसके लिए आयुष मंत्रालय की ओर से पूर्व में विकसित किए गए नमस्ते, (एनएएमएएसटीई) पोर्टल का सहारा लिया गया। इस पोर्टल में आयुष मंत्रालय की ओर से आर्युवेद शास्त्र में दर्ज रोगों को इंटरनेशनल क्लासिफिकेशन आफ डिजीज के मानकों के हिसाब से कोड कर दर्ज किया गया है।

सीटीआरआई रजिस्ट्री में नमस्ते पोर्टल से ३८६६ कोड इस तरह के लिए गए हैं। मतलब यह कि आयुर्वेद के तहत क्लीनिकल ट्रायल में अब ट्रायल की जानकारी, परिणाम आदि की जानकारी आयुर्वेद की शब्दावली में ही उपलब्ध हो सकेगी।

क्या होते हैं क्लीनिकल ट्रायल.....

.किसी भी दवा, उपचार आदि को सार्वजनिक रूप से लोगों को उपलब्ध कराने से पहले यह देखा जाना जरूरी होता है कि दवा, उपचार आदि का मानव पर प्रभाव क्या है। इसका परीक्षण खुद को प्रस्तुत करने वालों पर वैज्ञानिक तरीके से किया जाता है। यह ठीक ऐसे ही है जैसे की कोविड की वैक्सीन को बाजार में उतारने से पहले कुछ लोगों से आग्रह किया गया था कि वे वैक्सीन लगाकर देखें। इन लोगों को विशेषज्ञों की निगरानी में यह टीका लगाया गया था और टीके के आशाजनक परिणाम सामने आने पर अन्य लोगों के लिए टीका उपलब्ध कराया गया।

क्यों जरूरी है क्लीनिकल रजिस्ट्री

दुनिया में नई दवा की खोज, रोगों के इलाज आदि के लिए क्लीनिकल ट्रायल लगातार किए जा रहे हैं।परेशानी यह है कि इन परीक्षणों के परिणाम सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते और इस कारण ट्रायल की सही जानकारी उपलब्ध न होने की आशंका बनी रहती है। इसी को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने क्लीनिकल ट्रायल की ऑनलाइन रजिस्ट्री बनाना अनिवार्य किया। भारत में यह काम सीटीआरआई के माध्यम से किया जा रहा है और यह रजिस्ट्री विश्व स्वास्थ्य संगठन की रजिस्ट्री का भी हिस्सा है।

आयुर्वेद में लगातार हो रहे हैं क्लीनिकल ट्रायल

आयुर्वेद में रोग और उपचार का संपूर्ण शास्त्र है और शताब्दियों के अनुभव और परीक्षण की इसकी अपनी विश्वसनीयता है। फिर भी वर्तमान समय में आधुनिक चिकित्सा शास्त्र के हिसाब से अधिक विश्वास अर्जित करने के लिए आयुर्वेद में भी क्लीनिकल ट्रायल किए जा रहे हैं। पिछले कुछ समय में ही सीटीआरआई रजिस्ट्री में कोविड से संबंधित इस तरह के कई ट्रायल दर्ज कराए गए हैं।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर साढ़े सात करोड़ का हेरोइन का कूरियर पार्सल जब्त

नई दिल्ली । इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआईए) पर एक अफ्रीकी पते से दिल्ली–एनसीआर जाने वाले एक कूरियर पार्सल को जब्त कर लिया गया है। उस पार्सल में बेंगल और एक फोल्डर में छिपाकर 7.5 करोड़ रुपये मूल्य की 1. 20 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। एजेंसी ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत सीमा शुल्क (निवारक) दिल्ली की एक टीम ने एक खुफिया रिपोर्ट के आधार पर आईजीआईए में एक नए कूरियर टर्मिनल पर अवैध खेप को जब्त कर लिया।सीमा शुल्क ने एक बयान में कहा, ये खेप दिल्ली–एनसीआर में एक अफ्रीकी पते से आई थी जिसे गंतव्य वाले पते पर भेजी जानी थी।जांच करने पर, एजेंसी ने कहा, हेरोइन की बरामद खेप को बहुत परिष्कृत तरीके से बेंगल और एक फोल्डर में छुपाया गया था।एक बयान में कहा गया, हमने 2 जुलाई को आईजीआई हवाई अड्डे पर एक कूरियर से 7.5 करोड़ रुपये मूल्य की 1.20 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। इसकी जांच जारी है और अनुवर्ती कार्रवाई जारी है।

कांग्रेस में सी का मतलब धूर्त है – मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि कांग्रेस में सी का मतलब धूर्त है। मायावती का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस ने पार्टी पर आरोप लगाया था कि बसपा में बी भाजपा के लिए खड़ा बताया था। बसपा सुप्रीमो ने ट्वीट कर कहा, बसपा में बी का अर्थ बहुजन है जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल हैं। यह समूह बहुमत में है और इसलिए इसे बहुजन कहा जाता है।मायावती ने कहा कि कांग्रेस धूर्त है क्योंकि भले ही उसने बहुजन से वोट मांगे लेकिन यह सुनिश्चित किया कि वे उनके गुलाम बने रहें।

थल सेना प्रमुख युनाइटेड किंगडम और इटली की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल एम. एम. नरवणे दिनांक ०५ से ०८ जुलाई २०२१ तक यूनाइटेड किंगडम और इटली की यात्रा पर रवाना हुए हैं। चार दिवसीय यात्रा के दौरान वह भारत से रक्षा सहयोग बढ़ाने के मकसद से इन देशों के अपने समकक्षों और वरिष्ठ सैन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे।यूनाइटेड किंगडम की यात्रा दो दिन (०५ और ०६ जुलाई २०२१) के लिए निर्धारित है, जिसके दौरान सेना प्रमुख वहां के रक्षा सचिव, रक्षा प्रमुख, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत करेंगे। वह सेना के विभिन्न फॉर्मेशन्स का भी दौरा करेंगे जहां वह आपसी हित के मुद्दों पर वैचारिक आदान–प्रदान करेंगे।अपने दौरे के दूसरे चरण (दिनांक ०७ और ०८ जुलाई, २०२१) के दौरान सेना प्रमुख इटली के रक्षा प्रमुख यानी सीडीएस और सेना के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ महत्वपूर्ण विचार–विमर्श करेंगे। इसके अतिरिक्त सेना प्रमुख प्रसिद्ध शहर कैसिनोमें भारतीय सेना के स्मारक का भी उद्घाटन करेंगे और रोम के सेचिंगोला में इतालवी सेना के काउंटर आईईडी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उन्हें जानकारी प्रदान की जाएगी।

आईपीएस जीपी सिंह के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू–एसीबी की कार्यवाही खत्म

रायपुर, । छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आईपीएस जीपी सिंह के आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) एवं एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमार कार्यवाही तीन दिनो के बाद खत्म हो गई। इन तीन दिनों में एसीबी ने आईपीएस अफसर के ठिकानों से 10 करोड़ से अधिक की चल–अचल संपत्ति का पता लगाया है, वहीं संपत्ति व निवेश की गणना अभी भी जारी है, जिससे संभावना जतायी जा रही है कि चल–अचल संपत्ति की राशि और बढ़ सकती है। ईओडब्ल्यू–एसीबी ने इस छापेमार कार्यवाही की विस्तृत जानकारी शनिवार देर रात को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को दी है। इसमें बताया कि आईपीएस जीपी सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हाल पदस्थापना निदेशक राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी रायपुर के संबंध में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के कार्यकाल के दौरान अवैध वसूली व अन्य अवैध माध्यमों आदि से अनुपातहीन उपरांत प्रकरण में प्राथमिक जांच संस्थित की गई थी। प्राथमिक जांच के अन्वेषण के दौरान इस बात के पुख्ता प्रमाण प्राप्त हुए कि एडीजी जीपी सिंह द्वारा स्वयं एवं परिजनों तथा बेनामी तरीकों से अलग–अलग स्थानों पर करोड़ों की अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की गई है एवं बड़े लेनदेन किये गये है। उक्त तथ्यों के आधार पर ईओडब्ल्यू–एसीबी में धारा 12(1) बी, 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 यथासंशेधित 2018 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जीपी सिंह के ठिकानों पर छापेमार कार्यवाही की है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 यथा संशोधित 2018 के तहत पंजीबद्ध किया गया एवं दिनांक 1.07.2021 को प्रातरू 6.00 बजे जीपी सिंह के रायपुर स्थित शासकीय निवास–ई–1, नेशनल हाईवे, कॉलोनी एवं जांच अनुक्रम में सामने आये एीए,राजनांदगांव, गलोबल एसोसिएट्स कंपनी बड़बील उड़ीसा सहित अन्य ठिकानों पर विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रायपुर के द्वारा प्रदत्त तलाशी वारंट दिनांक 30.06.2021 के पालन में तलाशी कार्यवाहियां संपादित की गई। मंणी भूषण, ब्रांच मैनुजर, एस. बी.आई. शाखा सेजबहार, रायपुर जो जी. पी. सिंह के निकट मित्र है के निवास–डी–3६1, एस.बी.आई अपॉर्टमेंट, भगत सिंह चौक, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) के निवास स्थान की तलाशी लेने पर दस्तावेज (बैंक संबंधी) तथा 02 क्रि.ग्रा. सोना 01–01 कि.ग्रा. की सोने की पट्टी के रूप में कीमती लगभग 01 करोड़ रूपये को जब्त किया गया है। पूछताछ पर मणी भूषण के द्वारा उक्त सोने की पट्टियों को (02 कि.ग्रा.)को कुछ दिनों पूर्व जी.पी. सिंह के द्वारा कुछ समय के लिए मणी भूषण के पास रखवाना बताया गया। श्री प्रीतपाल सिंह चंडोक के निवास की तलाशी ली गई। जिसमें मौके पर गवाहों के सक्षम प्रीतपाल सिंह ने बताया कि जी.पी. सिंह के पिता श्री परमजीत सिंह के द्वारा उन्हें कुछ वर्ष पूर्व संपत्तियों के क्रय विक्रय एवं रख–रखाव के लिए पॉवर ऑफ एटर्नी प्रदान की थीद्व जो वर्तमान में कहां है उन्हें याद नहीं है। यह भी ज्ञात हुआ है कि अगस्त 2020 में उनके निवास एवं एस.पी. कोल्ड स्टोरेज खमतराई आयकर विभाग का छापा पड़ा था, जिसमें आयकर विभाग वाले उनके निवास, कार्यालय व्यवसाय एवं जमीन खरीदी बिक्री से संबंधित समस्त दस्तावेजों को जबत कर अपने साथ ले गये है। इस संबंध में पृथक से जानकारी प्राप्त की जा रही है। तलाशी के दौरान प्रीतपाल सिंह के शयन कक्ष से 13 लाख रूपये बंडल के रूप में बांध के रखी गयी, प्राप्त हुई है। जो पूछताछ करने पर प्रीतपाल सिंह के द्वारा बताया गया कि दिनांक 30.06.2021 की रात का आनन फानन में लाया गया है, जिसके संबंध में समक्ष गवाह प्रीतपाल सिंह ने यह पुष्टि की, की यह राशि जी. पी. सिंह की है। तलाशी के दौरान राजेश बाफना, चार्टड एकाउंटेंट राजनांदगांव के संबंधित प्रतिष्ठानों में लगभग 3000 से अधिक फाइलें एवं दस्तावेज खंगाले गये एवं यह जानकारी मिला है कि जी.पी. सिंह उनकी धर्मपत्नी एवं पुत्र के नाम पर 79 बीमा संबंधी दस्तावेज मिले हैं। जिसमें जी.पी.सिंह के नाम पर 24 पॉलिसी, उनकी पत्नी के नाम पर 23 पॉलिसी एवं पुत्र के नाम पर 32 विभिन्न कंपनियों की बीमा पॉलिसी है। एक से अधिक एचयूएफ एकाउंट की जानकारी प्राप्त हुई है, जिसमें लगभग 64 लाख रूपये होने की जानकारी मिली है, जांच में श्री जी. पी. सिंह एवं उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर कुल 17 बैंक खातों का पता चला है जिसमें 60 लाख रूपये ज्यादा की राशि जमा है, इसी तरह एक से अधिक पी.पी. एफ. एकाउंट जिनमें 10 लाख रूपये से अधिक की राशि जाम होना ज्ञात हुआ है। बैंक खातो एवं पी.पी.एफ. एकाउंट की संख्या में वृद्धि की संभावना है। सभी बैंकों से जानकारी ली जा रही है। विभिन्न कं पनियां माश्र कॉलोनाईजर, मार्श रिएटेक इंडिया प्रायवेट लिमिटेड, ग्लोबल एसोसिएट्स, आरव सॉल्युशन, पारशिवर मैनेजमेंट कन्सल्टेंट, फॉर्चुन मेटल लिमिटेड, केस्ट स्टील एण्ड पॉवर कंपनी के द्वारा अलग–अलग दिनांक में श्री जीपी सिंह के परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में कई बहुराज्यीय कंपनियों से 1 करोड़ से अधिक की राशि जमा किया जाना ज्ञात हुआ है। अग्रिम जांच पर इस राशि में वृद्धि होने की संभावना है।

जीपी सिंह की पत्नी एवं उनके पुत्र के नाम पर डाक घर में 29 सावधि जमा खातों का पता चला है जिसमें 20 लाख रूपये से अधिक की राशि जमा है। डाकघर खातों की संख्या एवं जमा राशि में वृद्धि की संभावना है। सभी संबंधित डाकघरों से जानकारी ली जा रही है। इसके अलावा जीपी सिंह एवं उनके परिवार के सदस्यों के नाम 69 अवसरों पर शेयर एवं म्युचुअल फंड में बड़ी राशि का निवेश किया गया है जिसमें 3 करोड़ से अधिक की राशि निवेश किया जाना पाया गया है। म्युचुअल फंड एवं शेयरों की संख्या एवं निवेशित राशि में वृद्धि होने की संभावना है। जीपी सिंह के परिवार के सदस्यों के नाम पर हाईवा, जेसीबी, कांक्रीट मिक्सचर वाहन मशीन भी मिली है जिसकी कीमत 65 लाख रूपये है। अब तक की जांच में ईओडब्ल्यू–एसीबी ने जीपी सिंह एवं उनके परिवार के सदस्यों के नाम राज्य एवं राज्य के बाहर भूखंड, मकान व फ्लैट की बड़ी मात्रा में खरीदी कर भारी मात्रा में राशि निवेश किया किये जाने की भी जानकारी मिली है। इसमें जीपी सिंह के नाम 2 भूखंड और 01 फ्लैट, पत्नी के नाम पर 02 मकान, माता के नाम पर 05 भूखंड और 01 मकान, पिता के नाम पर 10 भूखंड एवं 02 फ्लैट कुल 23 अचल सपंत्तियों की जानकारी मिली है, जिसमें कुल 2.68 करोड़ की राशि का निवेश किया गया है। यहीं नहीं जीपी सिंह के पिता के द्वारा स्वर्ण आभूषणों के विक्रय संबंधी लाखों रूपये की नगद राशि प्राप्त करने संबंधी दस्तावेज मिले है जिसमें काले धन को सफेद करने की संभावना प्रतीत होता है। इसकी भी गणना जारी है। उनके निवास से जीवनोपयोगी व विलासिता की वस्तुएं कीमती 49 लाख रूपये पायी गई है, जिनमें डेढ़ दर्जन से अधिक लेपटॉप कम्प्यूटर, आई पैड एवं आला दर्जे के मोबाइल उपकरण शामिल है। साथ ही 03 लाख से अधिक नगद एवं 02 लाख से अधिक मूल्य के स्वर्ण आभूषण मिले है। अब तक की जांच में जीपी सिंह एवं उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर कुल 10 करोड़ रूपये से अधिक की चल–अचल संपत्तियों का पता लगाया गया है। चूंकि गणना अभी जारी है

कमाई में किसी से कम नहीं वाणी कपूर

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा वाणी कपूर को भला कौन नहीं जानता है. अपनी एक्टिंग के साथ साथ वाणी ग्लैमरस अदाओं के लिए भी जानी जाती हैं. वाणी कपूर ने मॉडलिंग में अपनी एक खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड में एंट्री की थी. तमाम परेशानियों के बाद आज वाणी एक खास मुकाम पर पहुंची हैं. वाणी आज करोड़ों में खेलती हैं.वाणी ने अपने करियर की शुरुआत दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ की थी. वाणी सुशांत के साथ 2013 में आई फिल्म शुद्ध देसी रोमांस में नजर आई थीं. इस फिल्म के बाद से एक्ट्रेस धीरे धीरे करियर में आगे बढ़ रही हैं. अब सिर्फ खूबसूरती ही नहीं बल्कि पैसों के मामले में भी किसी से कम नहीं वाणी कपूर.वाणी अपनी हर एक फिल्म के लिए लाखों रूपये चार्ज करती हैं. खबरों की मानें तो एक्ट्रेस वाणी कपूर की कुल संपत्ति 2020 में 9 करोड़ रुपये के आस पास थी. जबकि नेटवर्थ्सपीडिया के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 75 मिलियन रुपए से 374 मिलियन रुपए के बीच है. यानि की कमाई में वाणी किसी भी बड़ी एक्ट्रेस से अब कम नही हैं. वाणी की कमाई के अलग अलग सोर्स हैं. एक्ट्रेस फिल्मों के अलावा मॉडलिंग, विज्ञापन , फोटोशूट आदि से तगड़ी कमाई करती हैं. इस सोर्स से भी कमाई में वाणी बाकी एक्ट्रेस से कम नहीं हैं. आपको बता दें कि वाणी कपूर दिल्ली की रहने वाली हैं. उन्होंने यहां आलीशान घर खरीदा है. इसके अलावा एक्ट्रेस का मुंबई में भी घर है. मीडिया की खबरों की मानें तो वह कई देशों में अलग–अलग संपत्तियों के मालिक भी हैं. हालांकि इनकी कोई पुष्टि नहीं है. वाणी कपूर की कार का कलेक्शन काफी आम है. वाणी के पास ऑडी जैसी कई कार हैं.वाणी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड फोटोज से फैंस के बीच सनसनी मचाए रहती हैं. एक्ट्रेस जल्द ही अक्षय कुमार के साथ पर्दे पर नजर आने वाली हैं. एक्ट्रेस अक्षय की आगामी फिल्म बेलबॉटम में दिखाई देंगी. वाणी को फैंस ने आखिरी बार 2019 में ऋतिक रोशन–टाइगर श्रॉफ की श्वॉर फिल्म में देखा था. वाणी का फिल्म में खास रोल था जो फैंस को काफी पसंद आया था. हालांकि वाणी अभी भी एक शानदार फिल्म का इंतजार कर रही हैं, जिससे वह फैंस के बीच अपनी एक्टिंग को साबित कर पाएं.

थिएटर में रिलीज होगी अहान शेटी की पहली फिल्म तड़प?

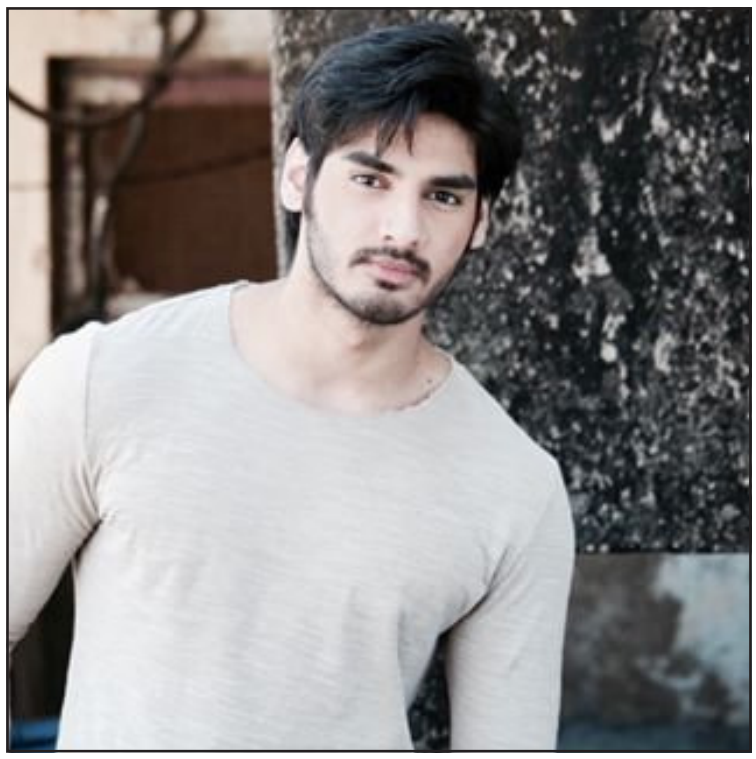

कोरोना महामारी के कारण बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में थिएटर छोड़ ओटीटी का रुख कर चुकी हैं। पिछले काफी समय से चर्चा थी कि सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की पहली फिल्म तड़प भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही रिलीज होगी। अहान की इस फिल्म का दर्शकों से बेसब्री से इंतजार है। अब इसकी रिलीज से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। यह फिल्म कब रिलीज होगी और थिएटर में रिलीज होगी या ओटीटी पर, आइए जानते हैं। अहान ने तड़प की शूटिंग पूरी कर ली है। निर्माताओं ने फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी निपटा लिया है।रिपोर्ट के मुताबिक अब निर्माता थिएटर खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद ही वे फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म किसी भी हाल में ओटीटी पर नहीं आएगी। यह अहान की पहली फिल्म है और निर्माता साजिद नाडियाडवाला इसे थिएटर में ही रिलीज करना चाहते हैं। पिछले दिनों खबर थी कि अहान को फिल्म आशिकी 3 के लिए फाइनल कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म में अहान के नाम पर निर्माताओं की मुहर लग चुकी है और वह अगले साल से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। सूत्रों की मानें तो अहान तड़प जैसी अपनी पहली एक्शन फिल्म के बाद एक इमोशनल रोमांटिक फिल्म में काम करना चाहते थे और अब आशिकी 3 के साथ उनकी यह ख्वाहिश पूरी होने जा रही है।

फिल्म तड़प में अहान के साथ अभिनेत्री तारा सुतारिया नजर आएंगी। मिलन लुथारिया ने फिल्म का निर्देशन किया है और साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। इस साल मार्च में अक्षय ने उनकी इस फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसके बाद इसे लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया था। तडप 2018 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 का हिंदी रीमेक होगी। फिल्म में कार्तिकेय गुम्माकोंडा और पायल राजपूत ने अहम भूमिका निभाई थी।

पिछले दिनों अहान एक और फिल्म को लेकर चर्चा में थे।

रिपोर्ट से यह जानकारी मिली थी कि अक्षय कुमार के साथ अहान जल्द ही एक एक्शन फिल्म में नजर आ सकते हैं और साजिद नाडियाडवाला ही इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभाल रहे हैं। हालांकि, बाद में अक्षय ने इस खबर को फर्जी बताया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, फेक न्यूज के पैमाने पर 10६ 10। मैं अपना खुद का फेक न्यूज बस्टिंग बिजनेस कैसे शुरू करूं।

साबुन और बाद में एलर्जी का कारण,समझें

साबुन में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो अक्सर एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इनमें से एक प्रकार का रसायन हैलोजनेट्स सैलिसिलेनिलाइड्स कहा जाता है। दुनिया के विकसित देशों में कई साल पहले ऐसे रसायनों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। जो लोग 10–15 साल पहले इन रसायनों का इस्तेमाल करते थे, वे अब अपनी त्वचा पर एक प्रकार की एलर्जी का अनुभव कर रहे हैं, जिसे चिकित्सकीय भाषा में फोटोएलर्जी कहते हैं। ये रसायन त्वचा को प्रकाश के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाते हैं। नतीजतन, त्वचा को हल्की धूप मिलने पर एलर्जी हो जाती है।हमारे देश में साबुन के आवरण पर उत्पाद का संघटन नहीं लिखा होता है। नतीजतन, डॉक्टरों के लिए बीमारी का विस्तृत विचार प्राप्त करना अक्सर असंभव होता है, चाहे उत्पाद में हानिकारक तत्व हों। यदि रचना लिखी जाती है, तो डॉक्टर आसानी से रोगी के लिए सही साबुन की पहचान कर सकते हैं। एलर्जी अक्सर साबुन के साथ अलग–अलग रंगों के मिलने से होती है। नतीजतन, हाथ के पीछे या बगल पर दाने दिखाई देते हैं।वर्तमान में हमारे देश के उत्पाद बाजार में क्षारीय या औषधीय साबुन की भारी मांग है। इससे त्वचा में एलर्जी के अलावा जलन भी हो सकती है। इससे त्वचा पर घाव भी हो सकते हैं। खासकर अगर त्वचा को पहले से ही डर्मेटाइटिस है।अगर आपको एक्जिमा है तो चिंता की कोई बात नहीं हैरू शुरुआत से ही उचित उपचार से इस बीमारी को खत्म किया जा सकता है। इसलिए रोग को बिल्कुल भी नहीं रखना चाहिए। एक्जिमा के रोगियों के मामले में अक्सर यह देखा जाता है कि रोग कम होते ही रोगी दवा लेना या उपयोग करना बंद कर देता है। इसलिए, यदि आप चिकित्सक द्वारा बताए अनुसार इलाज के बाद कुछ और दिनों तक दवा का उपयोग करते हैं, तो एक्जिमा की पुनरावृत्ति का जोखिम बहुत कम हो जाता है।हालांकि, मधुमेह के रोगियों को एक्जिमा ठीक होने में थोड़ा अधिक समय लगता है। अच्छे रक्त शर्करा के स्तर और एक्जिमा के उचित उपचार से दोनों रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है। यदि गर्भवती मां को एक्जिमा है, तो पहले तीन महीनों तक भोजन की दवा देना उचित नहीं है। लेकिन ऐसा उपचार स्थानिक कोटिंग के साथ किया जा सकता है। कुछ एक्जिमा गर्म, गर्म या शुष्क मौसम में विकसित होते हैं। जैसे सेबोरहाइक एक्जिमा से गर्मी और पसीना आता है। इसलिए हर समय सावधान रहें। थोड़ी सी जागरूकता से इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

अनुष्का शेटी ने दिया जिंदगी को खुशी से जीने का मंत्र

अनुष्का शेट्टी इन दिनों कू ऐप पर लगातार एक्टिव हैं. वो रोजाना कुछ न कुछ पोस्ट डालकर अपने फैंस को संदेश देती रहती हैं. लोगों को एक दूसरे से कनेक्ट करने की जरूरत के बारे में बता रही हैं ताकि लोगों को ऐसा फील न हो कि वो जिंदगी में अकेले हैं. लोगों से दिल की बातें न करने की वजह से कई बार देखा गया है कि लोग आत्महत्या जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं.अनुष्का वे अपने पोस्ट में उन्होंने खुलकर कनेक्ट करने और आपस में बातें करने की जरूरत पर जोर दिया है. लोगों को मोटिवेट किया है दुनिया में अच्छाई भी है वो हमेशा उस पर ध्यान दिया करें. कैसा भी बुरा वक्त रहा हो लेकिन आपको हमेशा नई शुरूआत के बारे में सोचना चाहिए. बातें करें, हंसें और पूरी तरह खुश रहकर जिंदगी जिएं.साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने अपने लाजवाब अभिनय और गजब की अदाओं से लोगों के दिलों पर राज किया है. अनुष्का ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है जिसके दम पर वो इंडस्ट्री की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं.अनुष्का को भारत में सबसे ज्यादा फेम मिला एस एस राजामौली और प्रभास की फिल्म श्बाहुबलीश्य से. फिल्म में एक्ट्रेस ने श्देवसेनाश्य का किरदार निभाया था. उनके रोल को काफी पसंद किया गया था. अनुष्का ने श्बाहुबलीश्य फिल्म के पहले भाग में ज्यादा स्क्रीन स्पेस शेयर नहीं किया मगर फिल्म के दूसरे भाग में उनका प्रमुख रोल था.अनुष्का अपने लुक के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं. उनकी ग्लैमरस और बोल्ड फोटोज काफी वायरल होती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस की एक लेटेस्ट फोटो अपने दोस्तों के साथ खूब कू पर खूब वायरल हो रही है. ये फोटो एक्ट्रेस की लॉकडाउन के दौरान की रीसेंट फोटो है जिसमें वो अपने दोस्तों के के साथ काफी अलग लग रही है और मस्ती के मूड में नजर आ रही इस फोटो में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. फोटो में उनकी स्माइल भी बहुत प्यारी लग रही है. कू पर कई यूजर्स ने अनुष्का की इस फोटो को पोस्ट किया है.इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा है जिघ्न्दगी में किसी भी मोड़ पर हमारे रस्ते चाहे कितने भी लग क्यों न हो जाएँ पर हमारा साथ एक दुसरे के साथ हमेशा अटूट है और रहेगा इस फोटो को अनुष्का ने अपने कू हैंडल से शेयर किया था. इस फोटो के शेयर होने के बाद एक फैन ने उनके सारी तस्वीरों के स्केचेस बनाके उनसे शेयर किये और साथ में कई ऐसे फेन्स है जो उनसे उनकी अगली आने वाली मूवी के बारे में भी पूछ रहे है. कंगना के बाद अनुष्का एक ऐसी बड़ी एक्ट्रेस जिन्हें कू पर काफी पसंद किआ जा रहा है. एक ही हफ्ते में उन्होने 25000 से ज्यादा फॉलोवर्स जुटा लिए हैं.

अदिति बालन मानती हैं, कोल्ड केस के सह–कलाकार पृथ्वीराज में है निर्देशक की नजर

अभिनेत्री अदिति बालन ने आगामी हॉरर थ्रिलर फिल्म कोल्ड केस में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा कि मलयालम स्टार, जो एक फिल्म निर्मात भी हैं, जो दृश्यों को एक निदेशक की नजर से देखते हैं। अदिति कहती हैं, शूटिंग के पहले दिन मैं नर्वस थी, क्योंकि शायद यह पहली बार था जब मैं उसे व्यक्तिगत रूप से देख रही थी। मैं एक प्रशंसक हूं। वह बहुत पेशेवर और परिपूर्ण है। लेकिन अगले दिन यह बेहतर हो गया। फिर, मैंने उनके साथ बातचीत शुरू कर दी। वह एक निर्देशक भी है, इसलिए वह एक निर्देशक के रूप में चीजों पर नजर रखते है। एक या दो बार वह एक □श्य में कुछ चीजों के साथ मेरी मदद की और सुझाव दिया कि इसे कैसे ठीक किया जाए। उनका मेरी मदद करना अच्छा था या मेरे लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए एक सह–कलाकार के रूप में सिखाना जिससे मैं बेहतर कर सकूं।कोल्ड केस एक हत्या के इर्द–गिर्द बुनी गई कहानी है, जिसकी जांच एसीपी सत्यजीत (पृथ्वीराज सुकुमारन) पर की जाती है। सत्यजीत जैसे ही हत्या के पीछे के कई रहस्यों को उजागर करता है, मामले में अलौकिक शक्तियों के उभरने के साथ मामला ठंडा हो जाता है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक वीना जोशी द्वारा देवभूमि प्रिन्टर्स, सरस मार्केट, हल्द्वानी, नैनीताल रोड, (नैनीताल) से मुद्रित एवं 12, बसन्त विहार छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सम्पादक : वीना जोशी

सभी विवादों का निपटारा हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होगा। प्रकाशित समाचारों के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है।